▪ चैत्र शुक्ल - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 260 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 17-04-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com



# दक्षिण भारत राष्ट्रमत



ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा आरक्षण को न हटाएगी, न हटाने देगी : अमित शाह

6 सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

7 सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

## घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली तृणमूल कांग्रेस सीएए का विरोध करती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालुरघाट/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है, लेकिन शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले कानून 'सीएए' का विरोध कर रही है। मोदी ने बालुरघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल को गुंडों और घुसपैठियों को ''पट्टे'' पर दे दिया है। प्रधानमंत्री ने राज्य में रामनवमी समारोह का कथित तौर पर विरोध करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल की आलोचना की और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को ''सच्चाई की जीत'' करार दिया, जिसमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) को हावड़ा में शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी गई थी। मोदी ने कहा, ''इस साल का रामनवमी समारोह थोड़ा अलग है क्योंकि रामलला अयोध्या में अपने घर लौट आए हैं। लेकिन टीएमसी, पिछले वर्षों की तरह राज्य में रामनवमी समारोहों का विरोध कर रही है।'' उच्च न्यायालय ने सोमवार को विहिप को हावड़ा शहर में रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दे दी थी। साथ ही अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें भी लगाई थीं कि कार्यक्रम बिना तनाव के संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा, देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखालि में दोषियों को बचाने की कोशिश की। संदेशखालि में हाल में महिलाओं ने कुछ टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध बड़े पैमाने पर हैं। यहां तक कि जब केंद्रीय एजेंसियां इन भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर भी हमला किया जाता है। ऐसा लगता है कि टीएमसी ने राज्य को घुसपैठियों और गुंडों को पट्टे पर दे दिया है। मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को बचाती है, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध करती है, जो शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करता है। ऐसे अभियानों से गुमराह न हों। वे निहित राजनीतिक हितों के लिए झूठ और अफवाहों का सहारा लेते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं होने देने का संकल्प जताया है। मोदी ने आरोप लगाया, टीएमसी शासन में बंगाल भ्रष्ट व्यक्तियों और जबरन वसूली करने वालों के लिए स्वर्ग' बन गया है।

प्रधानमंत्री ने राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित हिंसा का मुद्दा भी उठाया और टीएमसी पर ''डराने और धमकाने'' की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, बंगाल में लगभग रोजाना भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्या की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी' लागू होने के बाद से राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी असहज हो गई है।

मोदी ने कहा, उन्होंने (टीएमसी) बंगाल के लोगों को केंद्रीय योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया है। टीएमसी के विरोध के बावजूद, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि मैं अगले पांच वर्षों में बंगाल को विकसित करने का प्रयास करूंगा।



## फर्स्ट टेक

### कृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष की बहस शुरू, अगली सुनवाई 22 को

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मंगलवार को हिंदू पक्ष ने अपनी बहस शुरू की और सुनवाई के बाद अदालत ने अगली तिथि 22 अप्रैल, 2024 तय की। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन द्वारा की जा रही है। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने मंगलवार को कहा कि यह वाद पोषणीय है और पूजा स्थल अधिनियम एवं वक्फ अधिनियम के संबंध में अर्जी पक्षों के साक्ष्यों से ही निर्धारित हो सकती है।जैन ने कहा कि महज यह कहने से कि वहां एक मस्जिद है, वक्फ अधिनियम लागू नहीं होगा। संपत्ति का धार्मिक चरित्र महज ढांचे को ध्वस्त कर बदला नहीं जा सकता, यह देखना जरूरी है कि क्या कथित वक्फ विलेख (डीड) वैध है या नहीं। ये सभी चीजें मुकदमे में देखी जानी चाहिए और मौजूदा वाद पोषणीय है। समय सीमा की बाध्यता के सवाल पर उन्होंने कहा कि मौजूदा वाद समय सीमा के भीतर दाखिल किया गया है। वर्ष 1968 का कथित समझौता वादी के संज्ञान में 2020 में आया और संज्ञान में आने के तीन साल के भीतर यह वाद दायर किया गया है। इसके साथ ही यदि सेवायत या ट्रस्ट लापरवाह है और अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहा है तो देवता अपने अगले मित्र के जरिए आगे आ सकते हैं और वाद दायर कर सकते हैं और ऐसे में समय सीमा का सवाल ही नहीं उठता।

### शीर्ष अदालत ने रामदेव, बालकृष्ण को सार्वजनिक माफी मांगने की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी बालकृष्ण को एलोपैथी को नीचा दिखाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ मंगलवार को चेतावनी दी और उन्हें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन मामले में अवमानना कार्यवाही में एक सप्ताह के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने और पश्चाताप दिखाने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रही है। शीर्ष अदालत 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कोविड टीकाकरण और चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। रामदेव और बालकृष्ण दोनों व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और दोनों की ओर से पेश हुए वकील ने बिना शर्त माफ़ी मांगी ।

| सूर्यास्त 17-04-2024 | सूर्योदय 18-04-2024 |
|---|---|
| 6:32 बजे | 6:07 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 72,943.68 | 22,147.90 |
| (-456.10) | (-124.60) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 7,632 रु. | 85,865 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

## दिल जीतने में विश्वास करती है भाजपा, कश्मीर में 'कमल' खुद ही खिलेगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जम्मू कश्मीर में सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ और युवाओं पर गोलीबारी की घटनाएं उनके शासन के दौरान हुईं। शाह ने प्रतिद्वंद्वी दलों के इस आरोप को खारिज किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कश्मीर के लोगों के कल्याण से अधिक रुचि वहां की जमीन में है। शाह ने कहा कि भाजपा को कोई जल्दी नहीं और पार्टी लोगों का दिल जीतने में विश्वास करती है और इससे अंततः 'कमल' पूरी घाटी में खिलेगा। कमल भाजपा का चुनाव चिह्न है।

यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि (30 सितंबर) के अनुसार होंगे। मंत्री ने कहा, ''इस पर किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।'' शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने कश्मीर के युवाओं का शोषण किया। उन्होंने कहा, इन तीन दलों ने जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को बढ़ने नहीं दिया... सुरक्षा के बहाने हमारे कश्मीरी युवाओं का शोषण किया गया। मैं (नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष) फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी से पूछना चाहता हूं – जिनके शासन में सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ हुए, ये तीन पार्टियां हैं जिन्होंने कश्मीर के बच्चों पर गोली चलाई और उनके हाथ में बंदूक थमायी?

गृह मंत्री ने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त करने के बाद आतंकवाद, पथराव और पाकिस्तान प्रायोजित हमलों को खत्म करके शांति बहाल की और विकास सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, मोदीजी ने जम्मू कश्मीर में शांति बहाल की। पिछले 70 वर्षों से आतंकवाद और आंदोलन के कारण जम्मू कश्मीर पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, मोदी ने आतंकवाद, फर्जी मुठभेड़, पथराव और पाकिस्तान प्रायोजित हमलों को खत्म करने के लिए कदम उठाये, जिससे जम्मू कश्मीर में विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। भाजपा के प्रतिद्वंद्वी दलों ने लोगों से भाजपा और उससे जुड़े संगठनों को वोट न देने के लिए कहा है और उनका दावा है कि सत्तारूढ़ दल को कश्मीर के लोगों के कल्याण से अधिक रुचि कश्मीर की जमीन में है। शाह ने एक चुनावी सभा में कहा, मैं कश्मीरी युवाओं के बीच पैदा की जा रही इन गलतफहमियों को दूर करना चाहता हूं कि भाजपा कश्मीर की जमीन जबरदस्ती छीनना चाहती है। भाजपा उन लोगों में से नहीं है जो जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करते हैं, बल्कि वह लोगों का दिल जीतने में विश्वास करती है।

शाह यहां जुगल किशोर के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे जो जम्मू संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। शाह ने कहा कि भाजपा को कोई जल्दबाजी नहीं है क्योंकि वह जानती है कि लोगों के प्यार से पार्टी का चिह्न 'कमल' घाटी में अपने आप खिलेगा।

उन्होंने कश्मीर में लोगों से कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी को वोट नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि इन दलों ने पिछले सात दशकों में उनका शोषण किया है। गृह मंत्री ने कहा कि 'कमल' को वोट मोदी के लिए वोट है जिनकी सरकार के तहत जम्मू कश्मीर देश के सभी हिस्सों में सबसे अधिक लाभान्वित हो रहा है।

## रामनवमी पर अयोध्या में रामलला के 'सूर्य तिलक' के लिए तैयारी पूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान श्री रामलला के 'सूर्य तिलक' के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। बुधवार को रामनवमी के दिन दोपहर के समय सूर्य की किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी और दर्पण व लेंस से जुड़े एक विस्तृत तंत्र द्वारा उनका 'सूर्य तिलक' संभव हो सकेगा। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नए मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्रतिष्ठा के बाद यह पहली रामनवमी होगी। इस प्रणाली का परीक्षण वैज्ञानिकों ने मंगलवार को किया। इसे ''सूर्य तिलक परियोजना'' का नाम दिया गया है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक डॉ एस के पाणिग्रही ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ''सूर्य तिलक परियोजना का मूल उद्देश्य रामनवमी के दिन श्री राम की मूर्ति



के मस्तक पर एक तिलक लगाना है। परियोजना के तहत, श्री रामनवमी के दिन दोपहर के समय भगवान राम के मस्तक पर सूर्य की रोशनी लाई जाएगी।'' उन्होंने बताया कि ''सूर्य तिलक परियोजना के तहत हर साल चैत्र माह में श्री रामनवमी पर दोपहर 12 बजे से भगवान राम के मस्तक पर सूर्य की रोशनी से तिलक किया जाएगा और हर साल इस दिन आकाश पर सूर्य की स्थिति बदलती है।'' उन्होंने कहा कि ''विस्तृत गणना से पता चलता है कि श्री रामनवमी की तिथि हर 19 साल में दोहरायी जाती है।''

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक के अनुसार, नियोजित तिलक का आकार 58 मिमी है। उन्होंने बताया कि रामलला के मस्तक के केंद्र पर तिलक लगाने की सही अवधि लगभग तीन से साढ़े तीन मिनट है, जिसमें दो मिनट पूर्ण रोशनी होती है। इस बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सूर्य तिलक के दौरान, भक्तों को राम मंदिर के अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा लगभग 100 एलईडी और सरकार द्वारा 50 एलईडी लगाई जा रही हैं। जो रामनवमी समारोह को दिखाएगा, लोग जहां मौजूद हैं वहां से उत्सव देख सकेंगे।

सूर्य तिलक के लिए राम मंदिर में ऑप्टो-मैकेनिकल प्रणाली लागू करने से पहले, रुड़की इलाके के लिए उपयुक्त एक छोटा मॉडल सफलतापूर्वक मान्य किया गया है। मार्च 2024 में बेंगलूरु में ऑप्टिका साइट पर एक पूर्ण पैमाने के मॉडल को सफलतापूर्वक मान्य किया गया है। पाणिग्रही ने कहा कि सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की टीम ने आईआईए बैंगलोर और ऑप्टिका बेंगलूरु।

## प्रधानमंत्री चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज करेंगे : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के समर्थन में रोडशो किया। अन्नाद्रमुक से निष्कासित पन्नीरसेल्वम भाजपा नीत राजग के तहत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रामनाथपुरम से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। तमिलनाडु में 19 अप्रैल को मतदान होगा। राज्य में सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर कथित भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते हुए नड्डा ने इस पार्टी के लोगों पर 'बालू घोटाले' में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि द्रमुक का मतलब – डी यानी डायनेस्टी (वंशवाद), एम यानी मनी स्विंडलिंग (पैसे की हेराफेरी) और के यानी कट्टापंचायत (कंगारू अदालत) है। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर देंगे तथा ये सभी लोग जेल में होंगे या जमानत पर होंगे। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने के बाद चार जून को मतगणना होगी।

नड्डा ने विशेष रूप से तैयार किये गये एक खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया। उन्होंने पन्नीरसेल्वम की तारीफ करते हुए उन्हें ऐसा वरिष्ठ नेता बताया जो अनुभवी एवं परिपक्व हैं तथा जिन्होंने तमिलनाडु की खातिर संघर्ष किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने कोष आवंटन में इस दक्षिणी राज्य के साथ विशेष उदारता' बरती । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिल संस्कृति एवं भाषा को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि राजग के पिछले एक दशक के शासनकाल में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में तेज छलांग लगायी है तथा 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया है।

## सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भुज/भाषा। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर कथित तौर पर गोलीबारी करने वाले एक व्यक्ति समेत दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कच्छ-पश्चिम के उप महानिरीक्षक महेंद्र बागड़िया ने बताया कि बिहार के रहने वाले विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता नो माध गांव से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि तकनीकी निगरानी के आधार पर कच्छ-पश्चिम और मुंबई पुलिस के संयुक्त दल ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। बागड़िया ने बताया कि आरोपियों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया क्योंकि शिकायत वहां दर्ज है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पाल और गुप्ता दोनों को जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह ने सलमान के घर पर गोलीबारी करने के लिए कहा था। बागड़िया ने बताया कि जब पाल ने गोलीबारी की, तो गुप्ता गिरोह के सदस्यों के संपर्क में था।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### मैं क्या बोलूं

मैं कहूं प्रेम से 'राम-राम' तो,
लगती उनको बात जफा* ।
मैं 'अल्ला हो अकबर' बोलूं,
तो अपने होते खफा-खफा ।
मैं 'वाहेगुरु' 'जीसस' बोलूं,
सब करते मुझको रफा-दफा।
मैं क्या बोलूं जिससे हो बस,
मेरे भारत का सिर्फ नफा।।
*जफा- अत्याचार /जुल्म

## मोदी के शासन में मुसलमानों के साथ कोई भेदभाव नहीं : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत देश में मुस्लिम समुदाय के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीबों की भलाई पर ध्यान केंद्रित किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कांग्रेस पर लोगों को पंथ, जाति और धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा देश को एकजुट करने और इसे आगे ले जाने में विश्वास करती है। किश्तवाड़ जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, 2014 से पहले मुसलमानों से कहा जा रहा था कि अगर मोदी सत्ता में आए तो तुम्हें खत्म कर दिया जाएगा...क्या आपने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करते देखा है? जब केंद्र सरकार की योजनाओं और मुफ्त राशन और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाओं का लाभ उठाने की बात आती है तो क्या किसी ने आपसे पूछा है कि आप मुस्लिम हैं, हिंदू हैं या सिख हैं? किश्तवाड़ उधमपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां भाजपा उम्मीदवार और



केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी और विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह सहित 11 अन्य उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में तीसरी बार यहां वोट मांगने पहुंचे ठाकुर ने कहा, मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आदर्श वाक्य के साथ काम कर रही है और गरीबों की सेवा, सुशासन और कल्याण के लिए समर्पित है जिसे अगले पांच वर्षों में और मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 की आड़ में जम्मू-कश्मीर में अपने अधिकारों से वंचित लोगों सहित सभी के लिए न्याय सुनिश्चित किया।

कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि उसके नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी दावा कर रहे हैं कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे तो संविधान बदल देंगे। ठाकुर ने कहा, संविधान हमें बी.आर. अंबेडकर द्वारा दिया गया था जिनका हम बहुत आदर करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। यह कांग्रेस ही थी जिसने संविधान में 62 बार संशोधन किए, जिसमें पंडित नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में 17 और इंदिरा गांधी के शासनकाल के दौरान किए गए 33 संशोधन शामिल थे।

उन्होंने कांग्रेस पर अतीत में पाकिस्तान (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर), चीन (अक्साई चिन) और श्रीलंका (कच्चातिवु द्वीप) को जमीन देकर राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। ठाकुर ने कहा, हम अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और कांग्रेस के विपरीत भारत हमारे लिए पहले है।

# 500 साल बाद अपनी जन्मभूमि पर जन्मोत्सव मनाएंगे श्री रामलला : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बिजनौर/भाषा।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कल (बुधवार) रामनवमी का दिन है यानी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मदिन है और 500 साल बाद पहली बार श्री रामलला अपनी जन्मभूमि पर जन्मोत्सव मनाएंगे। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को नगीना के लोकसभा प्रत्याशी ओम कुमार के समर्थन में नहटौर में एक जनसभा को संबोधित किया और लोगों से उन्हें वोट देने की अपील की। उन्होंने नवरात्र की अष्टमी के साथ ही रामनवमी की अग्रिम बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां आराध्य को अपनी जन्मभूमि के लिए प्रमाण देना पड़ा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने हमारी आस्था को संकटग्रस्त करने का प्रयास किया, लेकिन सनातन समाज प्रभु राम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए कृत संकल्पित था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण उसे सफलता प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने सरकार बनाने में योगदान दिया इसलिए यह श्रेय आपको जाता है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में किया गया एक वोट तस्वीर और तकदीर बदल देता है, गलत दिशा में गया वोट पहचान का संकट खड़ा कर देता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दलदल में डूबे दल हैं और उन्हें अच्छाई से नफरत है। उन्होंने कहा कि ये तीनों दल माफिया-अपराधियों को गले का हार बनाते हैं, उनका महिमा मंडन करते हैं, उनके घरों में जाकर फातिहा पढ़ते हैं, लेकिन कोई निर्दोष हिंदू दुर्घटना का शिकार हो जाता है तो इनके मुख से संवेदना के शब्द तक नहीं निकलते। उन्होंने कहा, हम आम नागरिकों को राम-राम करते हैं और माफिया-अपराधियों का राम नाम सत्य' करते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि ओम कुमार दो बार से विधायक हैं और वे अपने क्षेत्र में खूब कार्य कर रहे हैं, इसलिए उन्हें दिल्ली पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता।

## किसानों का राजनीतिक दलों से मोहभंग हो गया है, लेकिन अपनी लड़ाई जारी रखेंगे : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** किसान नेता राकेश टिकैत ने सभी राजनीतिक दलों से किसानों का 'मोहभंग'' होने का दावा करते हुए मंगलवार को कहा कि लोगों को लोकसभा चुनाव में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सही उम्मीदवार के लिए मतदान करना चाहिए।

किसी भी राजनीतिक दल को खुला समर्थन देने से इनकार करते हुए टिकैत ने कहा कि जब आदर्श आचार संहिता लागू है तो वह अपनी पत्नी तक से नहीं कहेंगे कि किसे वोट देना है, लेकिन जो लोग उन्हें (टिकैत को) जानते हैं उन्हें पहले से पता है कि कौन सी पार्टी या उम्मीदवार किसानों के लिए अच्छा है। टिकैत ने दावा किया कि लोग भाजपा को वोट नहीं देंगे लेकिन पार्टी फिर भी जीत सकती है। उन्होंने चुनाव में धांधली होने का आरोप लगाया। वह, अब रद्द किये जा चुके तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसान आंदोलन के एक प्रमुख नेता थे। भारतीय किसान यूनियन के नेता ने दावा किया कि भाजपा महज एक राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है, यह उन बड़े उद्योगपतियों के लिए एक मोर्चा बन गई है जो किसानों की जमीन हड़पना चाहते हैं। टिकैत ने कहा, 'किसानों का मोहभंग हो गया है लेकिन वे हताश नहीं हैं।'

## कानूनी प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वाले कदम उठाना सही नहीं : निर्वाचन आयोग

**नई दिल्ली/भाषा।** विपक्षी दलों द्वारा सरकार पर उसके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाये जाने के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह सभी पार्टियों को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसा कोई कदम उठाना सही नहीं है जो कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में आड़े आ सकता है। विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के कई घटक दलों ने सरकार पर उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया था।

कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर नये सिरे से हमले शुरू कर दिए। उन्होंने सरकार पर लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं की आवाज बंद करने का आरोप लगाया। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि जब राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़े मौजूदा 'स्थिति' वाले ऐसे मामले उसके सामने आते हैं जिनमें अदालतों द्वारा जांच की जा रही है तो वह संवैधानिक विवेक के अनुसार निर्णय लेता है। आयोग ने कहा, आयोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर देने व उनके प्रचार अधिकार की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है लेकिन ऐसा कोई भी कदम उठाना सही नहीं होगा, जिससे कानूनी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचती हो। आयोग ने कहा कि वह ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है, लेकिन उसने पहली बार आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के पहले महीने में इसके क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी सार्वजनिक रूप से जारी की है जिसमें उठाए गए कदमों की जानकारी भी है।

## कांग्रेस के बैंक खातों पर जब प्रतिबंध लगाया गया, तब चुनाव आयोग 'चुप्पी' साधे रहा : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कटुआ/भाषा।** कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने यहां एक स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार अभियान के दौरान निर्वाचन आयोग (ईसी) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि जब मुख्य विपक्षी दल के खातों पर लेन-देन संबंधी रोक लगाई गई और निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया गया, तब आयोग 'चुप्पी साधे' रहा। उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से अपनी पार्टी के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह के लिए प्रचार करते हुए पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर विकास के मोर्चे पर अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए धर्म के आधार पर 'राजनीति' करने का आरोप लगाया।

पायलट ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बन कर देख रहा है। चंडीगढ़ के महापौर पद के चुनाव के सिलसिले में हमें न्याय के लिए उच्चतम न्यायालय जाना पड़ा और हमें न्याय मिला। उन्होंने कांग्रेस के खाते सील कर दिए, निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल दिया और विपक्ष का गला घोंटने की कोशिश की। उन्होंने राजनीतिक लाभ की खातिर धर्म का कथित तौर पर उपयोग करने को लेकर भाजपा नेताओं की आलोचना करते हुए कहा, वे अपनी राजनीति को मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम, हिंदुस्तान और पाकिस्तान जैसे मुद्दों के आसपास केंद्रित करते हैं। लेकिन स्कूल, कॉलेज, अस्पतालों, अर्थव्यवस्था, रोजगार, महिलाओं, युवाओं, किसानों और महंगाई से संबंधित मुद्दों में उनकी कोई रुचि नहीं है। पायलट ने दावा किया कि पूरे देश में बदलाव की लहर चल रही है।

उन्होंने कहा, ''मैं आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ गया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मीडिया और सोशल मीडिया जो दिखा रहा है, वह सच नहीं है। सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार के 10 साल के शासन पर लोग सवाल उठा रहे हैं। लोग भाजपा सरकार के 10 साल के शासन का जमीनी रिपोर्ट कार्ड मांग रहे हैं।'' पायलट ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए पांच प्रमुख घोषणाओं का उल्लेख किया जिसमें यह गारंटी भी शामिल है कि गरीब परिवारों की महिलाओं के खाते में सालाना एक लाख रुपये जमा किए जाएंगे। उन्होंने कहा, उपराज्यपाल के शासन में बाहरी लोग जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। जिन जमीनों पर खेती की जा रही है, उन्हें (स्थानीय) लोगों से छीनकर बाहरी लोगों 4को दिया जा रहा है। पायलट ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों पर भाजपा नेताओं की टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव इस साल सितंबर से पहले होंगे। ऐसा सरकार नहीं कह रही है बल्कि यह उच्चतम न्यायालय का आदेश है। उन्होंने कहा कि इसी तरह राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद हुआ।

## यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गया/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर अफवाहें फैलाकर देश के संविधान को राजनीतिक हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को 'विकसित भारत' बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने राजद और कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं पर संविधान के साथ राजनीति करने का भी आरोप लगाया। बिहार के गया जिले में एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, यह ''चुनाव घमंडिया'' गठबंधन के नेताओं को सजा देगा। यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को ''विकसित भारत'' बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।''

मोदी विपक्षी गठबंधन ''इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस'' (इंडि) को अक्सर 'घमंडिया''गठबंधन कहते हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) के संस्थापक जीतन राम मांझी गया लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव 'विकसित भारत' और 'विकसित बिहार' के लिए है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी मुझे अपमानित करने के लिए संविधान के नाम पर झूठ बोल रहे हैं। राजग संविधान का सम्मान करता है। मोदी और भाजपा तो क्या स्वयं बाबा साहेब अंबेडकर भी इस संविधान को नहीं बदल सकते हैं, इसलिए विपक्ष झूठ फैलाना बंद करे।''

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मोदी को देश का यह पद राजेंद्र बाबू और बाबा साहब अंबेडकर का दिया हुआ है जिन्होंने संविधान का निर्माण किया। यह संविधान न होता तो कभी ऐसे पिछड़े परिवार में पैदा हुआ गरीब का एक बेटा देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।'

मोदी ने कहा कि वे (विपक्षी नेता) सनातन धर्म को 'डेंगू और मलेरिया' कहते हैं। उन्होंने कहा, वे तो एक भी सीट के हकदार नहीं हैं... उन्हें सजा मिलनी चाहिए।''

## प्रधानमंत्री पहले खुद आईना देखें : ममता बनर्जी

**जलपाईगुड़ी/भाषा।** पश्चिम बंगाल में केंद्रीय दलों द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार संबंधी जांच पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले खुद आईना देखना चाहिए। जलपाईगुड़ी जिले के मोइनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रही है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस उसके साथ मिलकर काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा, ''भाजपा ने बंगाल में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए करीब 300 केंद्रीय दलों को भेजा था लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल की जनता को जवाब देना होगा कि मनरेगा की धनराशि का क्या हुआ? गरीब लोगों ने योजना के तहत काम किया लेकिन उन्हें भुगतान नहीं किया गया।'' बनर्जी ने कहा, ''प्रधानमंत्री कहते हैं कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्ट पार्टी है। पहले उन्हें आईना देखना चाहिए। उनकी पार्टी में डकैत भरे पड़े हैं।'' उन्होंने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी' बताया और आरोप लगाया कि वह एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) की आड़ में' आदिवासियों, दलितों तथा ओबीसी को बाहर करने की योजना बना रही है'। बनर्जी ने कहा, हम बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने देंगे। माकपा और कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है, जबकि अन्य दोनों विपक्षी दल उसके साथ काम कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया' के साथ हैं, लेकिन देश को बचाने के लिए बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को जीतना होगा।

## वंदे भारत ट्रेन से आमदनी का अलग रिकॉर्ड नहीं रखता रेलवे, आरटीआई से पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रेल मंत्रालय वंदे भारत रेलगाड़ियों से आमदनी का अलग रिकॉर्ड नहीं रखता है। यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में दी गई है।

मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौड़ ने यह जानना चाहा था कि रेल मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों में वंदे भारत रेलगाड़ियों से कितना राजस्व अर्जित किया है और क्या इनके संचालन से कोई लाभ या हानि हुई है। रेल मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा, ट्रेन के हिसाब से राजस्व रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। वंदे भारत देश की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है जिसे 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच हरी झंडी दिखाई गई थी।

आज 102 वंदे भारत ट्रेन 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 284 जिलों से होकर 100 मार्गों पर चलती हैं। रेलवे अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने वंदे भारत ट्रेन से यात्रा की है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर है। गौड़ ने आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि रेलवे वंदे भारत ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या और संबंधित रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी का रिकॉर्ड रखता है, लेकिन राजस्व सृजन के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी नहीं रखता। उन्होंने कहा, रेलवे अधिकारी एक वर्ष में वंदे भारत रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी की गणना पृथ्वी के चारों ओर कुल चक्करों के बराबर कर सकते हैं, लेकिन उसके पास इन ट्रेन से एकत्र हुए कुल राजस्व की गणना नहीं है। गौड़ ने कहा, रेलवे के लिए वंदे भारत ट्रेन से राजस्व की स्थिति का अलग रिकॉर्ड रखना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि ये भारत की पहली सेमी-हाई स्पीड नई पीढ़ी की ट्रेन हैं और इनकी लाभप्रदता से वास्तविक लोकप्रियता स्थापित होगी।

## नागर विमानन मंत्रालय ने सभी एयरलाइंस से पश्चिम एशिया पर जोखिम मूल्यांकन करने को कहा

**नई दिल्ली/भाषा।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने सभी एयरलाइंस से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन को लेकर अपने स्तर पर जोखिम आकलन करने के लिए कहा है। एयर इंडिया, विस्तारा, इंडिगो और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने पश्चिमी देशों के लिए वैकल्पिक उड़ान मार्गों को चुना है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए एयरलाइंस अपनी उड़ानों का संचालन ईरान के हवाई क्षेत्र से होकर नहीं कर रही हैं। नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम से कहा कि सभी एयरलाइंस को अपने उड़ान संचालन के संबंध में अपना जोखिम मूल्यांकन खुद करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) सभी एयरलाइंस के साथ सहयोग और बातचीत कर रहा है। वह विदेश मंत्रालय के साथ भी संपर्क में है।

पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने के बीच मंत्रालय या डीजीसीए की तरफ से सभी एयरलाइंस को कोई सलाह दिए जाने के सवाल पर सचिव ने यह जानकारी दी। हाल ही में ईरान ने जवाबी हमले में इजराइल पर दर्जनों ड्रोन तथा मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद इजराइल ने कहा था कि वह ईरान के इस हमले का जवाब देगा। एयर इंडिया भारत में आवाजाही के लिए अपनी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें वैकल्पिक उड़ान मार्गों पर संचालित कर रहा है। विस्तारा ने भी पश्चिम एशिया संकट के कारण अपनी कुछ उड़ानों के मार्गों में बदलाव किया है। एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं।

## मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है, मैं आतंकवादी नहीं हूं : तिहाड़ जेल से दिल्ली के मुख्यमंत्री का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने तिहाड़ जेल से नागरिकों के लिए एक संदेश जारी कर कहा है मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं। सिंह ने जेल में बंद केजरीवाल के साथ किये जा रहे कथित व्यवहार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की।

सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रतिशोध और दुर्भावना के चलते उन्हें तोड़ना चाहती है, लेकिन वह इन सबसे और अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल में बंद एक 'कुख्यात अपराधी' को बैरक में अपने वकील और पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई, जबकि केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मुलाकात के दौरान उनके बीच कांच की दीवार थी।

सिंह ने कहा कि खुद के साथ हो रहे व्यवहार से आहत होकर केजरीवाल ने देशवासियों के लिए संदेश भेजा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं। दिल्ली के मुख्यमंत्री का बयान 2010 की शाहरुख खान अभिनीत फिल्म माई नेम इज खान' से लिया गया है जिसमें अभिनेता कहते हैं, माई नेम इज खान और मैं आतंकवादी नहीं हूं। सिंह ने कहा, केजरीवाल के साथ एक आतंकवादी की तरह व्यवहार किया जा रहा था और उन्हें 'कांच की दीवार' के जरिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिलने की अनुमति दी गई थी।

धन शोधन मामले में छह महीने जेल में रहने के बाद हाल ही में रिहा हुए सिंह ने आरोप लगाया कि, तिहाड़ की जेल संख्या दो में एक कुख्यात अपराधी अपने वकील और पत्नी से बैरक में मिला। इसी तरह अन्य बंदियों की भी जेल कार्यालय में मुलाकात कराई जाती है। हालांकि, उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

महानिदेशक (जेल) संजय बेनीवाल ने सोमवार को कहा था कि कैदियों के साथ व्यवहार में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उन्हें समान मूल अधिकार मिले। मान ने सोमवार को तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि उन्हें वहां वे सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं जिन्हें एक कट्टर अपराधी को भी मुहैया कराने की अनुमति है।

# जंगल में चल रहे पटाखा कारखाने में विस्फोट

## तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर/भाषा।** मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में जंगली इलाके के खेत में चलाए जा रहे पटाखा कारखाने में मंगलवार को विस्फोट में तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हरदा के पटाखा कारखाने में छह फरवरी को भीषण विस्फोट के महज 70 दिन बाद इंदौर के पटाखा कारखाने में विस्फोट हुआ। इस घटना ने सूबे में पटाखा कारखानों के संचालन और इनमें आग से बचाव के इंतजामों की सरकारी निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी ने बताया कि महू थाना क्षेत्र के आम्बा चंदन गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर जंगली इलाके में चलाए जा रहे कारखाने में रस्सी बम बनाए जाने के दौरान हुए विस्फोट में रोहित परमानंद (20), अर्जुन राठौर (27) और उमेश चौहान (29) झुलस गए।

चौधरी ने बताया कि झुलसे मजदूरों में शामिल रोहित इंदौर जिले का निवासी है, जबकि राठौर और चौहान महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के रहने वाले हैं। डीएसपी ने बताया कि तीनों घायलों को इंदौर के चोइथराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। चोइथराम हॉस्पिटल के एक अधिकारी ने बताया कि पटाखा कारखाने के तीनों मजदूर औसतन 70 प्रतिशत तक जल गए हैं और धमाके के बाद दूर जा गिरने से इनमें से एक श्रमिक की हड्डियां भी चोटिल हुई हैं। उन्होंने बताया कि तीनों मजदूरों की ''हालत गंभीर'' है। विस्फोट की प्रत्यक्षदर्शी जाहिदा ने बताया,मैंने देखा कि कारखाने में अचानक धमाका हुआ और कारखाना पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि घायल मजदूरों के मुताबिक पटाखा कारखाने में किसी चीज पर पैर पड़ जाने के बाद विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि कारखाने में रस्सी बम बनाए जाने के लिए अलग-अलग रसायन मिलाकर बारूद तैयार किया जाता था। पुलिस के मुताबिक यह कारखाना इंदौर से सटे राऊ कस्बे का निवासी शाकिर खान चला रहा था। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) रूपेश कुमार द्विवेदी ने बताया, पटाखा कारखाना जंगली इलाके में चार बीघा में फैले एक खेत में चलाया जा रहा था। शुरुआती तौर पर पता चला है कि कारखाने का लाइसेंस 31 मार्च तक वैध था। लाइसेंस की वैधता को लेकर जांच जारी है। चश्मदीदों ने बताया कि पटाखा कारखाना लोहे के तारों से बनाई गई चहारदीवारी के अंदर चलाया जा रहा था और इसमें टीन की चादरों से कमरेनुमा ढांचे तैयार किए गए थे। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद कारखाना परिसर में आग लग गई और टीन की चादरों के दूर जाकर गिरने से यह परिसर फिलहाल सपाट मैदान की तरह दिखाई दे रहा है। पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद इंदौर के जिलाधिकारी आशीष सिंह घायल मजदूरों का हाल-चाल जानने के लिए चोइथराम हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने बताया,प्राथमिक जानकारी के मुताबिक जंगली इलाके में कारखाना परिसर के दूर-दूर बने आठ कमरेनुमा ढांचों में 12-13 लोग काम कर रहे थे।

### खरगे ने 'इंडि' गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पर कहा

# 'पहले हमें चुनाव जीतने की जरूरत है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**यहां तक कि ऐसे नेता, जो सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त हैं, वो भी इस तरह की बात नहीं बोलेंगे। वह (मोदी) पहले से ही सभी सचिवों को बुला कर अगले पांच वर्षों के लिए कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार कर रहे हैं। इस तरह का अति-आत्मविश्वास व अहंकार देश और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।**

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी सचिवों को बुला कर अगले पांच वर्षों के लिए योजनाओं की रुपरेखा तैयार कर रहे हैं, और इस तरह का अति-आत्मविश्वास व अहंकार देश और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। 'इंडि' गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इस सवाल पर खरगे ने कहा कि यह चुनाव नतीजे आने के बाद ही तय किया जाएगा। उन्होंने कहा, पहले हमें चुनाव जीतने की जरूरत है। पीटीआई को दिए साक्षात्कार में खरगे ने कहा कि गठबंधन में चर्चा के जरिये आम सहमति बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि 'इंडि' गठबंधन इस बारे में चर्चा करेगा कि चुनाव नतीजे आने के बाद इसका नेतृत्व करने के लिए कौन उपयुक्त व्यक्ति होगा। उन्होंने कहा, ...प्रधानमंत्री कौन होगा - यह नतीजे आने के बाद ही तय किया जाएगा। पहले हमें चुनाव जीतना है और फिर गठबंधन सहयोगी क्या कहते हैं उस आधार पर चर्चा होगी। कांग्रेस पार्टी (इस बारे में) कभी भी संकोची नहीं रही है। सबसे पहले, हमें चुनाव जीतना है। उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार के गढ़ रहे-अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस उम्मीदवारों के बारे में कहा कि वहां चुनाव बाद के चरणों में होंगे, और इसलिए अभी समय है।

खरगे ने कहा, ''देखते हैं क्या होता है। हम उपयुक्त समय पर बताएंगे। अपने पत्ते खोलना ठीक नहीं है। राजनीति में कुछ आश्चर्यजनक होना जरूरी है। हम चर्चा करेंगे, हम विचार-विमर्श करेंगे और हम प्रतिक्रिया लेंगे।'' उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी में एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और उपयुक्त समय पर हम निर्णय लेंगे। यह भाजपा की तरह नहीं है, जहां हर बात पर अंतिम फैसला मोदी का होता है।

खरगे ने कहा कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद चीजें ''सकारात्मक और अच्छी'' नजर आ रही हैं। कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य ने कहा, हमारी (चुनावी) 'गारंटी' योजनाओं ने साबित किया है कि लोग ऐसे कार्यक्रम और योजनाएं चाहते हैं जिनमें महंगाई घटाने जैसी विशेषताएं हों। लोगों का इन चीजों पर ध्यान है। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 400 सीट जीतने के मोदी के दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए खरगे ने कहा, शुक्र है उन्होंने अबकी बार '600 पार' नहीं कहा। यह अहंकारी दुष्प्रचार, विपक्ष को कमजोर करना और यह प्रदर्शित करना कि सब कुछ मैं ही हूं, दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि ऐसे नेता, जो सत्ता में आने को लेकर आश्वस्त हैं, वो भी इस तरह की बात नहीं बोलेंगे। वह (मोदी) पहले से ही सभी सचिवों को बुला कर अगले पांच वर्षों के लिए कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार कर रहे हैं। इस तरह का अति-आत्मविश्वास व अहंकार देश और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2004 में भी ऐसी ही स्थिति थी, जब भाजपा ने भारत उदय'' का नारा दिया था और कहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी सबसे उपयुक्त प्रधानमंत्री हैं।

खरगे ने कहा, उसके बाद क्या हुआ? मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस नीत (संप्रग) सरकार बनी। वह (सिंह) एक बेहतर प्रधानमंत्री के रूप में उभरे। हमने अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि होते देखी। उस समय बहुत सारी नीतियां और कार्यक्रम बने और वह एक बेहतर प्रशासक थे।

उन्होंने कहा, ''भारतीय मतदाता बहुत समझदार हैं। वह (मोदी) हर किसी को कुचलना चाहते हैं। यदि समान अवसर दिया गया तो आप 2004 के नतीजों का दोहराव देखेंगे।'' उन्होंने चुनावी बॉण्ड योजना से सबसे ज्यादा भाजपा को फायदा होने का आरोप लगाते हुए कहा कि हर किसी को समान अवसर मुहैया कराया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''लेकिन इस योजना में कोई पारदर्शिता नहीं थी। भाजपा ने कारोबारी घरानों और प्रतिष्ठानों को धमकाने और उगाही करने के लिए सभी एजेंसियों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कुछ कारोबारियों का समर्थन भी किया और उनसे पैसे लिए। चंदा दो, धंधा लो'...।''

## दक्षिण कन्नड़ में निर्माणाधीन पुल का हिस्सा ढहा, सात मजदूर घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर दक्षिण कन्नड़ जिले के पुनाचा गांव में बरेंजा-कुरुदाकट्टे संपर्क मार्ग पर मल्लीपाडी में निर्माणाधीन एक पुल का हिस्सा ढह जाने से निर्माण कार्य में लगे सात लोग घायल हो गए जिनमें चार की हालत गंभीर है। घायलों को पुत्तूर और मंगलूरु के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक रिष्यंत ने घटना की जानकारी देते हुए 'पीटीआई भाषा' को बताया कि नंजनगुड के महेश (63), गडग के नागराजा (40) और पुत्तूर की विजया (35) का पुत्तूर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि कोलकाता के रहने वाले और मणि में कंक्रीट मिक्सिंग यूनिट में काम करने वाले यूसुफ (50), मथोब (32), और अख्तरुल (42) का मंगलुरु के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। घायलों में चार की हालत गंभीर है, लेकिन सभी की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद जवाहर (28) को पुत्तूर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस पुल का निर्माण मल्लिप्पडी में किया जा रहा है। पुल के एक हिस्से में डबल सेंटरिंग का उपयोग कर स्लैब की ढलाई पर काम चल रहा था उसी समय सेंटरिंग का एक खंभा अपने स्थान से खिसक गया तभी ऊपर से कंक्रीट मिश्रण डाले जाने के कारण नीचे की सेंटरिंग गिर गई जिससे पुल का निर्माणाधीन ऊपरी हिस्सा ढह गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन प्रथम दृष्ट्या निर्माण स्थल पर सुपरवाइजर की अनुपस्थिति को दुर्घटना के लिए मुख्य कारण माना जा रहा है। पुल की ढलाई का काम जमीन से 24 फीट की ऊंचाई पर हो रहा था और निर्माण कार्य केआरडीएल कंपनी द्वारा किया जा रहा था।

## कार-बस की आमने-सामने की टक्कर में तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के हुब्बल्ली शहर के बाहरी इलाके में एक कार और बस की भिड़त में कार सवार आंध्र प्रदेश के तीन लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर रात अंचतगेरी गांव के पास जब यह दुर्घटना हुई तब कार सवार लोग अपने गृह राज्य जा रहे थे। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि चौथे व्यक्ति का एक अस्पताल के आईसीयू में उपचार किया जा रहा है। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'शुरुआती जांच में पता चला है कि दुर्घटना के लिए दोनों ही पक्ष जिम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि पुलिस ने दोनों ही पक्षों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

### संबोधन

मंगलवार को दावणेगेरे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा।

## भारतीय तटरक्षक बल ने कारवार में फंसी मछली पकड़ने वाली नाव को बचाया

कारवार/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। भारतीय तटरक्षक के एक पोत ने मछली पकड़ने वाली उस नौका को मंगलवार को बचा लिया, जिसका इंजन कर्नाटक के कारवार से लगभग 215 समुद्री मील की दूरी पर खराब हो गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आईसीजी पोत सावित्रीबाई फुले ने मछली पकड़ने वाली भारतीय नौका (आईएफबी) 'रोजरी' के 13 अप्रैल को संकट में फंसे होने संबंधी कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों के बावजूद नाव के साथ जल्द ही संपर्क स्थापित कर लिया था।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पोत ने रोजरी' को सफलतापूर्वक बचा लिया। 'रोजरी' के इंजन में कारवार से लगभग 215 समुद्री मील की दूरी पर खराबी आ गई थी। उसने कहा, ''आईसीजी पोत में सवार दल ने नौका को स्थिर करने के बाद उसके इंजन को ठीक करने का प्रयास किया।'' बयान में कहा गया, ''मछली पकड़ने वाली नाव को तटरक्षक जिला मुख्यालय (कर्नाटक) की मदद और मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से कारवार की ओर ले जाया गया।''

अधिकारियों ने बताया कि इसे आईएफबी श्री लक्ष्मी नारायण को सौंप दिया गया, जो इसे सुरक्षित रूप से कारवार बंदरगाह तक ले गया।

## देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली बैठक में कथित सुरक्षा चूक को लेकर निर्वाचन आयोग से कार्रवाई का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु/भाषा। जनता दल (एस) ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं पार्टी के संस्थापक एच डी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाले एक कार्यक्रम में हुई कथित सुरक्षा चूक को लेकर मंगलवार को निर्वाचन आयोग का रुख किया और इसके लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का अनुरोध किया। पार्टी ने तुमकुरु के निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक पत्र में कहा कि भाजपा और जद (एस) द्वारा निर्वाचन आयोग से उपयुक्त अनुमति लेकर वी सोमन्ना (भाजपा) के समर्थन में, यहां 15 अप्रैल को कुंचीतीगा समुदाय भवन में एक बैठक आयोजित की गई थी और कार्यक्रम की अध्यक्षता देवेगौड़ा ने की। सोमन्ना लोकसभा चुनाव में तुमकुरु सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

जद(एस) ने आरोप लगाया, कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने कोई सुरक्षा उपाय नहीं किये और भवन के अंदर महिलाओं को कांग्रेस का समर्थन करने दिया। पुलिस के अपने कर्तव्यों का पालन करने में नाकाम रहने के चलते महिलाएं मंच तक पहुंच गईं, जहां देवेगौड़ा मौजूद थे। पार्टी ने आरोप लगाया कि घटना के पीछे उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी. के. शिवकुमार और मंत्री राजन्ना का हाथ है।

जद(एस) ने निर्वाचन आयोग से सुरक्षा चूक के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें निलंबित करने का अनुरोध किया। पार्टी ने आगामी दिनों में, राज्य में इस तरह की बैठकों के लिए उपयुक्त सुरक्षा इंतजाम करने का भी अनुरोध किया है।

## देवेगौड़ा के बयान से हैरान और दुखी हूं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि वह जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के संरक्षक एच. डी. देवेगौड़ा के इस बयान से हैरान और दुखी हैं कि छह करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री को सौ करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रधानमंत्री से सवाल नहीं पूछना चाहिए।

उन्होंने रविवार को मैसूरु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली में पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा द्वारा दिए गए एक कथित बयान का जिक्र करते हुए यह बात कही। इस रैली में देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा किया था।

सिद्दरामैया ने एक बयान में कहा, आदरणीय एच.डी. देवेगौड़ा, मैं आपके इस बयान से हैरान और दुखी हूं कि छह करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री को सौ करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रधानमंत्री से सवाल नहीं पूछना चाहिए।

उन्होंने कहा, आपने कई वर्षों तक एक क्षेत्रीय दल का नेतृत्व किया और आप केंद्र सरकार और प्रधानमंत्रियों के लगातार आलोचक रहे हैं। फिर आपने अपने जीवन के इस पड़ाव पर इतना अधीन मुद्रा अपनाना क्यों चुना?

सिद्दरामैया ने देवेगौड़ा की ओर इशारा करते हुए कहा, हम एक संघीय लोकतंत्र का हिस्सा हैं, जहां प्रधानमंत्री निरंकुश नहीं है और न ही मुख्यमंत्री केवल एक अधीनस्थ है। उन्होंने कहा कि दोनों समान कद के पद रखते हैं, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

## मशहूर कर्नाटक संगीतकार केजी जयन का निधन

कोच्चि। मशहूर कर्नाटक संगीतकार के.जी. जयन (89) का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। अनुभवी संगीतकार को भक्ति शैली में उनकी रचनाओं और उनके जुड़वां भाई के.जी. विजयन के साथ संगीत सहयोग के लिए जाना जाता था, जो साठ के दशक के अंत में शुरू हुआ था। अस्सी के दशक में विजयन के आकस्मिक निधन के बाद जयन अकेले पड़ गए और फिर कुछ समय बाद भक्ति गीत गाने के लिए संगीत उद्योग में लौट आए।भगवान अयप्पा को समर्पित उनके कार्यों और गुरुवयूर में प्रसिद्ध श्री कृष्ण मंदिर की रचना ने उन्हें अपने क्षेत्र में एक आइकन बना दिया। उन्हें 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। जयन का अंतिम संस्कार बुधवार को किया जाएगा।

## देश में भाजपा या मोदी की कोई लहर नहीं है : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोई लहर नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) केंद्र में सरकार का गठन करेगा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों का प्रचार करने के लिए केरल आए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा या प्रधानमंत्री के पक्ष में कोई लहर नहीं है और यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि भाजपा अपने लगभग 100 मौजूदा सांसदों को आगामी चुनावों के दौरान मैदान में नहीं उतार रही। शिवकुमार ने तिरुवनंतपुरम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर पर भी निशाना साधा और उनसे पूछा कि उन्होंने केरल के विकास में क्या योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर चुनाव लड़ने से पहले मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए नैतिक रूप से बाध्य हैं। चंद्रशेखर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिकी राज्य मंत्री हैं। शिवकुमार ने विश्वास जताया कि तिरुवनंतपुरम से मौजूदा सांसद शशि थरूर इस सीट से पुन: जीतेंगे।

### प्रचार

मंड्या लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी और जेडीएस के प्रदेशाध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा के साथ मंगलवार को मालवल्ली में चुनाव प्रचार किया।

## कन्नड़ फिल्मों के वरिष्ठ अभिनेता, निर्माता व निर्देशक द्वारकानाथ का निधन

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्मों के वरिष्ठ अभिनेता, निर्माता और निर्देशक बंगल शमा राव द्वारकानाथ का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को यहां निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। द्वारकानाथ का पांच दशक लंबा फिल्मी करियर था और उन्हें फिल्मों में हास्य भूमिकाएं निभाने के लिए जाना जाता है। 81 वर्षीय द्वारकानाथ ने 90 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया जबकि करीब 50 फिल्म के निर्माता और निर्देशक रहे।

द्वारकीश नाम से मशहूर अभिनेता के परिवार के एक सदस्य ने बताया, उन्होंने सुबह अपने बेटे से कहा था कि वह थका हुआ महसूस कर रहे हैं और उन्हें सुबह नौ बजे जगा दे। जब वह उन्हें जगाने गया तो वह नहीं उठे। विभिन्न वर्गों के लोगों ने अभिनेता को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें कॉमेडी का पर्याय माना जाता थे और जैसे ही वह बड़े पर्दे पर आते थे, दर्शक हंसने लगते थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, डॉ. राजकुमार और डॉ. विष्णुवर्धन जैसे महान अभिनेताओं के साथ काम करते हुए उन्होंने अपने हास्य अभिनय से दर्शकों के मन में अपनी अलग पहचान बनाई। द्वारकीश के निधन से कन्नड़ सिनेमा को काफी क्षति पहुंची है। अभिनेता रजनीकांत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे पुराने प्रिय मित्र द्वारकीश का निधन मेरे लिए बहुत दुखद है...एक हास्य अभिनेता के रूप में अपना करियर शुरू करके, उन्होंने खुद को एक बड़े निर्माता और निर्देशक के रूप में स्थापित किया। उनका जन्म मैसूर जिले के हुनसूर में 19 अगस्त 1942 को हुआ था। उन्हें प्रसिद्ध हिंदी पार्श्वगायक किशोर कुमार को कन्नड़ फिल्म जगत में लाने का श्रेय भी है।

## मै निर्दलीय हूं, भाजपा में नहीं हूं कि कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई हो : ईश्वरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कार्रवाई करने की पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा की चेतावनी के एक दिन बाद बागी नेता के एस ईश्वरप्पा ने मंगलवार को कहा कि वह निर्दलीय हैं और वह किसी पार्टी से संबद्ध नहीं है कि उन पर कोई अनुसानात्मक कार्रवाई की जा सके। ईश्वरप्पा ने शिम्मोग्गा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने अपने बेटे के ई कंटेशन को हावेरी से टिकट नहीं मिलने को लेकर विजयेंद्र और उनके पिता एवं भाजपा के कद्दावर नेता बी एस येडीयुरप्पा को जिम्मेदार ठहराया है।

ईश्वरप्पा (75) राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। शिम्मोग्गा लोकसभा सीट पर भाजपा की ओर से विजयेंद्र के भाई और सांसद बी वाई राघवेंद्र प्रत्याशी हैं। ईश्वरप्पा ने कहा, 'जब मैं निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव लड़ रहा हूं तो वह कौन -सी अनुशानात्मक कार्रवाई करेंगे? निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मतलब है कि मैं पार्टी से बाहर आ गया हूं। बतौर भाजपा अध्यक्ष उन्हें यह भी नहीं पता है कि निर्दलीय चुनाव लड़ने का क्या मतलब होता है।'

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह स्वतंत्र (निर्दलीय) हैं और भाजपा से संबद्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'आप जो भी

अनुशासनात्मक कार्रवाई करना चाहते हैं, कीजिए। मैं ऐसी धमकियों से नहीं डरता। मेरा इरादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इरादे जैसा है। मोदी कहते हैं कि वह केंद्र में कांग्रेस की सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी की परिवारवादी राजनीति का मुकाबला कर रहे हैं जबकि मेरा प्रयास पार्टी को पिता एवं पुत्रों (येडीयुरप्पा एवं उनके बेटों) की जकड़न से बहार लाना है।' उन्होंने कहा, 'आपको (विजयेंद्र को) इस्तीफा दे देना चाहिए।' विजयेंद्र ने ईश्वरप्पा के खिलाफ पार्टी द्वारा अनुशानात्मक कार्रवाई करने के बारे में पहली बार सोमवार को बोला था। ईश्वरप्पा उन्हें मनाने की पार्टी नेताओं की कोशिश को धत्ता बताते हुए चुनाव लड़ने के अपने निर्णय पर कायम हैं। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष होने, उनके भाई के सांसद होने तथा पिता के (पार्टी की) केंद्रीय चुनाव समिति का सदस्य होने का उल्लेख करते हुए ईश्वरप्पा ने व्यंग्य किया, यदि परिवार में कोई छूट गया हो तो उसे भी पद दे दीजिए, पार्टी आपके परिवार की सेवा के लिए ही तो है। उन्होंने कहा, ''लाखों कार्यकर्ताओं ने पार्टी को बनाने में अपना खून-पसीना बहाया, लेकिन आपका क्या योगदान है? संभलकर बोलिए... जाइए और देखिए कि शिकारीपुरा तक में आपके खिलाफ लोगों में गुस्सा है, लोग कह रहे हैं कि आप पैसे के बल पर विधानसभा चुनाव जीत गये, वहां इस चुनाव में पैसा कारक नहीं है, लोग मेरे साथ हैं। मैं शिकारीपुरा में पिता एवं पुत्रों का शिकार करूंगा, मैं इस बार उन्हें बचकर नहीं जाने दूंगा।'' ईश्वरप्पा पर प्रहार करते हुए विजयेंद्र ने सोमवार को कहा कि शिमोग्गा से फिर चुनाव में उतरे उनके भाई राघवेंद्र दो लाख से अधिक वोटों से यह सीट जीतेंगे और लोग ईश्वरप्पा को सबक सिखायेंगे।

अपील

उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने मंगलवार को परबतसर में नागौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ज्योति मिर्धा के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को विजयी बनाने की अपील की।

# चुनावी वादे करने के बाद भूल जाने में कांग्रेस माहिर : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि सिर्फ चुनाव के लिए वादे करके जनता को गुमराह करना और वोट लेकर भूल जाने में कांग्रेस माहिर है। उन्होंने कहा कि महंगाई कम करने के लिए केंद्र सरकार ने लगातार कदम उठाए हैं तथा इसे और भी कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां संवाददाताओं से बातचीत में निर्मला सीतारमण ने कहा,सिर्फ चुनाव के लिए कोई वादा करना, जनता को गुमराह करना, वोट लेना और उसके बाद भूल जाना, इसमें कांग्रेस पार्टी माहिर है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) की जगह पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के लिए भी राजस्थान की गत अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार ने एक गलत और नामुमकिन तरह का वादा किया, लेकिन जब उसे लागू करने की कोशिश की तो उसकी पार्टी के ही लोगों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने नई पेंशन योजना की जगह पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की घोषणा की और इसे लागू भी किया, लेकिन इसकी नकल कर कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल

के चुनाव में भी यही वादा किया और चुनाव जीत गई। सीतारमण ने कहा, हिमाचल में योजना लागू होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि एनपीएस के द्वारा जो पैसा केंद्रीय पूल में गया उसको वापस किया जाए। तब मैंने कहा कि वह पैसा राज्य सरकार को भी वापस नहीं होता, वह पैसा कर्मचारियों का पैसा है और कर्मचारियों को ही मिलेगा ना कि सरकार को। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में इस मुद्दे को शामिल नहीं किया है। उन्होंने कहा,वादा करो, जनता को गुमराह करो, वोट लो और सत्ता में बैठ जाओ, ये है कांग्रेस का तरीका। यह कांग्रेस का रवैया है, हमारा नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन में रुकावट खड़ी की।

बढ़ती महंगाई संबंधी एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, वर्ष 2014 से लेकर आज तक 10 साल में एक या दो महीने छोड़कर महंगाई 'छह प्रतिशत' के नीचे ही रही। मैं 2004 से 2014 तक के दस साल की याद दिलाना चाहती हूं ... 22 महीने मुद्रास्फीति दहाई अंक में थी, तब खाद्य मुद्रास्फीति यानी सिर्फ खाद्य वस्तुओं की महंगाई 12 प्रतिशत के इर्द-गिर्द थी। अभी पिछले महीने का आंकड़ा देख लीजिए, चार प्रतिशत से कम है खुदरा महंगाई।'

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद सरकार मेहनत कर रही है। वह जरूरत पड़ने पर दाल आयात करती है, नेपाल सहित अन्य देशों से प्याज आयात करती है और मदर डेयरी की दुकानों या ट्रकों के जरिए आवासीय इलाकों में आलू, टमाटर जनता को बेचती है। केंद्र सरकार 'भारत' ब्रांड का आटा दाल 'एकदम उचित' मूल्य में बेच रही है। निर्मला ने कहा,महंगाई के विषय में प्रधानमंत्री मोदी जी कभी चुप नहीं बैठते। 'मंत्री समूह' से पूछते हैं कि आप क्या कर रहे हैं...लगातार आम जनता की थाली में जो चीज पहुंचनी चाहिए, उसकी महंगाई नियंत्रित करने के लिए हम लगातार प्रयत्नरत हैं।'

चुनावी बॉन्ड संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के बाद कानून पारित कर यह व्यवस्था बनाई गई थी और हर राजनीतिक दल ने कानूनन इसका फायदा उठाया। उन्होंने कहा,चुनावी बॉण्ड के आने से पहले के जमाने में कोई ढांचा नहीं था। आप नकदी बोरी में भरके या सूटकेस में भरकर दो, या सोना अथवा फ्लैट के रूप में दो... कोई नियंत्रण नहीं था। संसद में चर्चा के बाद यह एक रास्ता निकाला गया। इसमें बॉण्ड खरीदने वाले से लेकर उसे भुनाने वाले तक 'खाते से खाते' में पैसा जाता है। उन्होंने कहा कि संसद में कानूनी तौर पर पास होने के बाद ये प्रणाली अपनायी गई है, जो पहले की प्रणाली से बेहतर है। सीतारमण मंगलवार को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर थीं। उन्होंने यहां प्रबुद्धजन सम्मेलन और 'औद्योगिक एवं व्यावसायिक संवाद' को संबोधित किया।

## बीकानेर जिले में अचानक जमीन धंसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान में बीकानेर के लूणकरणसर इलाके में अचानक एक खेत में करीब एक बीघा जमीन अचानक धंस गयी है। सोमवार आधी रात हुई इस घटना को ग्रामीणों ने आज सुबह नजारा देखा, तो वे हक्के-बक्के रह गये। जमीन किस वजह से धंसी है, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों की सूचना पर इलाके के उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार और पुलिस उपाधीक्षक मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, यह अजब-गजब घटनाक्रम लूणकरणसर इलाके में सहजरासर गांव से ढाणी भोपालराम रोड का बताया रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक सोमवार शाम तक सब कुछ ठीक था, लेकिन रात को अचानक करीब एक बीघा जमीन धंस गयी।आज अल सुबह वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने इसे देखा, तो वे हैरान रह गये।

उन्होंने तत्काल दूसरे ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इस पर कई ग्रामीण वहां पहुंचे। वे भी कुछ समझ नहीं पाये। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी।

लूणकरणसर उपखंड अधिकारी राजेन्द्र कुमार और पुलिस उपाधीक्षक वहां पहुंचे। उन्होंने वहां का मौका मुआयना किया। ग्रामीणों से बातचीत की, लेकिन कोई भी इस बारे में कुछ नहीं बता पाया। बहरहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले को समझने का प्रयास कर रहा है।

## ये चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को अजमेर पहुंचे। यहां उन्होंने अजमेर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में शहर के आजाद पार्क में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित किया। इस दौरान गहलोत ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। इससे पूर्व अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गहलोत का स्वागत माला व साफा पहनाकर किया गया।

आम सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आप सब जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने सोच समझकर रामचंद्र चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया है, जो 50 सालों से किसानों की सेवा कर रहे हैं। इन्होंने डेयरी में अच्छे नवाचार किए, वो सब आपके सामने हैं। केंद्र सरकार एऊ इनकम टैक्स के छापे मार रहे हैं, भाजपा में जाते ही सब धुल जाते हैं, वहां क्या वाशिंग मशीन लगी हुई है। दो मुख्यमंत्री जेल में बैठे हैं, कांग्रेस के खाते बंद कर दिए, देश की आजादी में कांग्रेस का योगदान है। गहलोत ने कहा कि इस चुनाव में चौंकाने वाले परिणाम आएंगे, हमारी सरकार ने अच्छे कार्य किए हैं। हमारी सरकार ने शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा में काम किए हैं। नए स्कूल खोले, बीमा योजना शुरू की, पानी की योजना बनाई, सड़कें बनाईं, तीन लाख नौकरियां दीं, 4.5 लाख बिजली कनेक्शन दिए। हमारे घोषणा पत्र में 25 गारंटिया हैं, आपको गर्व होगा उस पर। वहीं मोदी जी का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है। 15 लाख खाते में आएंगे, रोजगार देंगे, सब जुमला निकला। यह तीन काले कानून आ गए।

उन्होंने जनता से अपील करी कि रामचंद्र चौधरी जमीनी नेता हैं, उन्होंने अपनी जिंदगी आपके बीच में बिता दी। उन्होंने भागीरथ चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पांच साल में एक बार भी जनता के बीच नहीं आए।

## डीजीपी ने 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में राज्य पुलिस बल के योगदान को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने राजस्थान पुलिस की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के पुलिस जवानों और अधिकारियों के साथ प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। डीजीपी साहू ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि राजस्थान पुलिस ने अपनी 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश में कानून- व्यवस्था, शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया है। राजस्थान पुलिस को इस मुकाम तक पहुंचाने में एक से बढ़कर एक जांबाज अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही है। इसके लिए मौजूदा पुलिस फोर्स के साथ ही सभी पूर्व पुलिस अधिकारी और सेवानिवृत पुलिसकर्मी अभिवादन और प्रशंसा के पात्र हैं।

डीजीपी ने राजस्थान पुलिस के अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें पूरे पुलिस परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य के पथ पर अडिग रहते हर प्रकार की चुनौतियों से लोहा लेते हुए अपराध नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से जनसेवा की मिसाल कायम की है।

साहू ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि आज प्रदेश के पुलिस बेड़े में शामिल करीब 1 लाख पुलिसकर्मी और अधिकारी आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' के ध्येय वाक्य को जेहन में रखकर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। आम नागरिक पुलिस से किसी भी प्रकार की सहायता या मदद की आवश्यकता होने पर निः संकोच होकर थानों, पुलिस चौकियों या उच्चस्थ पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों में सम्पर्क करें।

डीजीपी ने आह्वान किया कि राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस के खास मौके पर प्रदेश पुलिस बल के जवान और अधिकारी, इस बात का संकल्प लें कि वे आने वाले समय में अधिक सजगता एवं सर्तकता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। वहीं जनमानस में पुलिस की विश्वसनीयता तथा कर्तव्यपरायणता की पहचान को और मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक दूसरे को पुलिस दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

## बूंदी में सरकारी अस्पताल में शिशु की मौत, जांच के लिए टीम का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले के एक सरकारी अस्पताल में छह महीने के एक शिशु की मौत की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक शिशु के परिवार ने आरोप लगाया कि अस्पताल में बिजली गुल होने के कारण ऑक्सीजन आपूर्ति में गड़बड़ी के परिणामस्वरूप यह घटना हुई हालांकि, जिला चिकित्सा अधिकारियों ने इन आरोपों का खंडन किया है। अधिकारियों ने बताया कि मृत शिशु की पहचान भारती के बेटे बंटी के रूप में हुई है। बंटी को रविवार शाम करीब छह बजे देई शहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से आपातकालीन वार्ड में लाया गया था।

चिकित्सक ने बताया कि एम्बुलेंस में ले जाते समय बच्चे की मौत हो गई। सोमवार सुबह मृतक बच्चे के परिजनों ने अस्पताल के बाहर कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और उन्हें निलंबित करने की मांग की।

उन्होंने दावा किया कि बिजली गुल होने के कारण ऑक्सीजन आपूर्ति में कथित रुकावट के कारण बच्चे की मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मीणा ने कहा कि इस मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों को शांत किया गया।

बूंदी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ओ.पी. समीर ने अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा लापरवाही और ऑक्सीजन आपूर्ति में बाधा के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि बच्चा अंबु बैग सपोर्ट पर था और जब उसे एम्बुलेंस में ले जाया जा रहा था तो उसने दम तोड़ दिया।

## बिना किसी भेदभाव के मोदी सरकार ने 80 करोड़ देशवासियों को दिया मुफ्त राशन : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति कर देश को नुकसान पहुंचाया है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है और भारत का गौरव विश्वभर में बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को गुजरात के पालनपुर में बनासकांठा लोकसभा भाजपा प्रत्याशी डॉ. रेखा बेन के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को ध्येय बनाते हुए बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति को भरपूर राहत और उनका उत्थान करने का अतुलनीय काम किया है। आज जब मोदी सरकार 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को मुफ्त राशन देती है तो वो किसी से जाति-धर्म नहीं पूछती।

## भीड़ नहीं जुटने पर बौखलाए किरोड़ी लाल मीणा, बिना भाषण दिए लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने स्थानीय नेताओं को जमकर फटकार लगाई। वो भीड़ कम होने से इतने नाराज हुए कि उन्होंने स्थानीय नेताओं को घर जाने के लिए कह दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कह दिया कि विधानसभा चुनाव में भी मेरी इज्जत नहीं रखी थी और अभी भी वो ही हाल है।**

दौसा। अक्सर आपने लोगों को ये कहते सुना होगा कि लोकसभा चुनाव देश का चुनाव होता है। मतलब ये है कि इसमें लोगों द्वारा देश के प्रतिनिधित्व करने वाले का चुनाव करना होता है। इस बार भी लोग बार-बार ये कह रहे हैं कि उनके लिए उम्मीदवार से ज्यादा ये महत्व रखता है कि मोदी देश का प्रतिनिधित्व करें। लेकिन हमेशा से जाति,धर्म और गोत्र को विशेष महत्व देने वाले राजस्थान में अलग तरह का मामला देखने को मिला है। दौसा में पीएम मोदी रोड शो कर चुके हैं और इस दौरान काफी भीड़ भी देखने को मिली थी। इसमें तो कई शक नहीं है कि पीएम मोदी की लोकप्रियता दुनियाभर में है। हालांकि इसके बाद भाजपा के कार्यक्रमों में जो नजारे देखने को मिल रहे हैं वो भाजपा के बड़े नेताओं को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहे हैं।

मामला दौसा के ही एक चुनावी सभा का है जहां कम भीड़ होने के कारण राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने स्थानीय नेताओं को जमकर फटकार लगाई। वो भीड़ कम होने से इतने नाराज हुए कि उन्होंने स्थानीय नेताओं को घर जाने के लिए कह दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कह दिया कि विधानसभा चुनाव में भी मेरी इज्जत नहीं रखी थी और अभी भी वो ही हाल है।

बता दें कि दौसा में भाजपा ने मौजूदा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काटकर कन्हैयालाल मीणा को उम्मीदवार बनाया है। जबकि कांग्रेस की ओर टिकट पाने वाले मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा है। दोनों की जाति तो एक ही है लेकिन गोत्र अलग। स्थानीय लोगों की मानें तो दौसा में इस गोत्र के लोगों की संख्या ज्यादा है इसलिए वो यहां भीड़ आसानी से जुटा ले रहे हैं। यहीं कारण है कि जब डॉ किरोड़ीलाल मीणा दौसा पहुंचे तो जनसभा में भीड़ नहीं देखने को मिली। इससे वो ना सिर्फ नाराज हुए बल्कि स्थानीय नेताओं को काफी कुछ कह भी दिया।

आग्रह

बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा मंगलवार को संसदीय क्षेत्र के देशनोक में जनसंपर्क कर जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया।

# भाजपा आरक्षण को न हटाएगी, न हटाने देगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**देहरादून/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आरक्षण का सबसे बड़ा समर्थक बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश से आरक्षण को न हटाएगी और न हटाने देगी। पौड़ी गढ़वाल संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के समर्थन में पौड़ी जिले के कोटद्वार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस देश में झूठ फैला रही है कि अगर भाजपा को 400 सीट मिली तो आरक्षण चला जाएगा।

उन्होंने कहा, अरे, (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे साहब झूठ काहे को बोल रहे हो। 10 साल से हमारे पास पूर्ण बहुमत है। मोदी जी आरक्षण के सबसे बड़े समर्थक हैं। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि आरक्षण चाहे आदिवासी का हो, दलित का या अन्य पिपड़ा वर्ग (ओबीसी) का हो, न उसे हटाएंगे, न हटाने देंगे। शाह ने कहा कि भाजपा को 400 सीट इसलिए चाहिए, क्योंकि पिछली बार जब जनता ने उसे 300 से ज्यादा सीट दी तो उसने अनुच्छेद 370 और तीन तलाक हटा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर निशाना साधते हुए शाह ने यह भी कहा कि वह कहते हैं कि राजस्थान और उत्तराखंड के रहने वालों का कश्मीर से क्या लेनादेना है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि कश्मीर को बचाने के लिए सबसे ज्यादा लहू उत्तराखंड वालों ने बहाया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया जिसे कांग्रेस ने 70 सालों से संभाल कर रखा था और उसे हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बना दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर देश के पहले रक्षा प्रमुख दिवंगत जनरल बिपिन रावत जैसे योद्धा का अपमान करने का भी आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें 'गली का गुंडा' कहने से भी नहीं झिझकी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पाकिस्तान से हर रोज आतंकवादी आते थे और बम धमाके करके पाकिस्तान चले जाते थे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद इस स्थिति में परिवर्तन आया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुलवामा और उरी हमलों का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से देकर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों का सफाया करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के जरिए 70 साल से तकलीफ में जी रहे हिंदू, बौद्ध और सिख भाइयों को नागरिकता प्रदान की है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन दिया, 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण कराया, चार करोड़ से ज्यादा लोगों को घर दिया और अब मोदी की गारंटी है कि तीन करोड़ से ज्यादा अन्य लोगों को भी घर मिलेगा । उन्होंने कहा कि इस दौरान 10 करोड़ लोगों को नल से जल और 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला रसोई गैस कनेक्शन दिया गया। शाह ने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना से ही उसने अपने घोषणापत्र में यह मांग रखी थी कि देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होंगे और समान नागरिक संहिता होगी।

उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह देश में सबसे पहले यूसीसी लाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में पूरे देश में यूसीसी लागू करने की बात कही है। बुधवार को रामनवमी के त्योहार का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के लिए यह खुशी की बात है कि भगवान रामलला 500 सालों के बाद टेंट की जगह अपना जन्मदिन भव्य मंदिर में मनाएंगे।

# सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने मैनपुरी से नामांकन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मैनपुरी/भाषा।** समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी और वर्तमान सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को मैनपुरी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डिंपल के नामांकन के समय समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और शिवपाल सिंह यादव मौजूद थे।

नामांकन दाखिल करने के बाद सपा प्रमुख यादव ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस बार मैनपुरी का चुनाव रिकॉर्ड मतों से जीतने जा रही है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हरीश चंद्र श्रीवास्तव ने मंगलवार को कहा कि ''इनका समाजवाद दंगाइयों, बलवाइयों और आततायियों के संरक्षण का है, जनता इन्हें मैनपुरी में भी धूल चटायेगी।'' मैनपुरी में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत सात मई को मतदान होगा। मैनपुरी सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जयवीर सिंह और बसपा के शिवप्रसाद यादव मैदान में हैं। सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। अखिलेश यादव ने कहा, मैनपुरी का चुनाव इस बार रिकॉर्ड मतों से समाजवादी पार्टी जीतने जा रही है। दूसरे दल जो सामने हैं उनके पास दिखाने और बताने को कुछ नहीं हैं। जनता जब दस साल दिल्ली के काम का और सात साल उप्र की सरकार के काम का आकलन करेगी, तो भाजपा के सारे चेहरे गायब हो जाएंगे। केंद्र और उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होने जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मे हर परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो रहा है और अब तक 10 प्रश्न पत्र लीक हो चुके हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने दावा किया कि उन्होंने युवाओं से नौकरी छीनी है और आरक्षण नहीं देना चाहते क्योंकि सरकारी नौकरी देंगे तो आरक्षण देना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण नहीं देना चाहती, इसलिये जानबूझकर प्रश्नपत्र लीक कराए जाते हैं।

## टीएमसी शासन के तहत बंगाल में भ्रष्टाचार और अपराध 'पूर्णकालिक व्यवसाय' बन गए हैं : मोदी

**रायगंज/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस शासन के तहत भ्रष्टाचार और अपराध 'पूर्णकालिक व्यवसाय' बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने रोहिंग्या और घुसपैठियों को राज्य की जनसांख्यिकी बदलने की अनुमति दे दी है। मोदी ने कहा कि दूसरी ओर, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध कर रही है, जिसका उद्देश्य शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करना है। रायगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि टीएमसी सरकार रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति नहीं देती है, लेकिन रामनवमी शोभायात्राओं पर पथराव करने की अनुमति देती है। उन्होंने आरोप लगाया, टीएमसी शासन के तहत बंगाल में भ्रष्टाचार और अपराध पूर्णकालिक व्यवसाय में बदल गया है। राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध का बोलबाला है। राज्य में सीएए का विरोध करने के लिए टीएमसी सरकार की आलोचना करते हुए मोदी ने कहा, टीएमसी ने रोहिंग्या और घुसपैठियों को राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने और राज्य में कानून और व्यवस्था की समस्याएं पैदा करने की अनुमति दे दी है।

# हेमा मालिनी पर टिप्पणी को लेकर रणदीप सुरजेवाला के 48 घंटे तक प्रचार करने पर लगी रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** निर्वाचन आयोग ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के चुनाव प्रचार करने पर मंगलवार को 48 घंटे के लिए रोक लगा दी। इस लोकसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा किसी नेता के प्रचार करने पर पहली बार प्रतिबंध लगाया गया है। निर्वाचन आयोग ने हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अशोभनीय, असभ्य और अभद्र टिप्पणी के लिए पिछले मंगलवार को सुरजेवाला को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

आयोग ने कहा कि उसने सुरजेवाला के जवाब में दी गई सामग्री और कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। आयोग ने कहा, आयोग आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों से संबंधित मामले में उन्हें जारी किए गए या बाद में जारी किए जाने वाले किसी भी आदेश/नोटिस पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान उनके द्वारा दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा करता है और कदाचार के लिए रणदीप सुरजेवाला को फटकार लगाता है। उसने कहा कि आयोग, संविधान के अनुच्छेद 324 और इस संबंध में सक्षम बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों के तहत, सुरजेवाला को मौजूदा चुनाव के संदर्भ में 16 अप्रैल को शाम 6 बजे से 48 घंटे तक किसी भी जनसभा, सार्वजनिक जुलूस, सार्वजनिक रैलियां, रोड शो और साक्षात्कार, मीडिया (इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया) आदि में सार्वजनिक भाषण देने से रोकता है।

सुरजेवाला को अपने नोटिस में निर्वाचन आयोग ने कहा था कि सावधानीपूर्वक जांच करने पर टिप्पणियां अत्यधिक अशोभनीय, असभ्य और अभद्र पाई गईं, और प्रथम दृष्टया आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों और पिछले महीने पार्टियों को जारी की गई आयोग की सलाह का उल्लंघन है।

# 700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली, 1200 अन्य को जल्द रोजगार मिलेगा : तिहाड़ जेल प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** तिहाड़ जेल के महानिदेशक संजय बेनीवाल ने कहा कि लगभग 700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली है और 1200 से अधिक बंदी जेल से बाहर आने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पीटीआई मुख्यालय में सोमवार को एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बेनीवाल ने कहा कि वह उन कैदियों को देखकर खुश होते हैं, जिन्हें जेल की सजा काटने के बाद नौकरी मिलती है।

चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक रह चुके बेनीवाल नवंबर 2022 से तिहाड़ जेल के महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। तिहाड़ में अपने कार्यकाल में जेल सुधारों पर एक सवाल का जवाब देते हुए, बेनीवाल ने कहा, हमने जेलों के अंदर शहरी विकास मंत्रालय की मदद से कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत, लगभग 700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली है और 1,200 कैदी अस्पतालों में नौकरी पाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, विचाराधीन कैदियों को प्रशिक्षण देने के लिए जेलों के अंदर एक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया है और यह कार्यक्रम 2023 की शुरुआत में शुरू किया गया था। बेनीवाल ने कहा कि कैदियों को कौशल प्रदान करना और सशक्त बनाना एक ऐसी चीज है जो उन्हें योग्य बनाती है। उन्होंने कहा, जब उन्हें (कैदियों) बाहर काम करने के लिए प्रमाणपत्र और प्रस्ताव पत्र मिले तो मैंने उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान देखी। तिहाड़ जेल में क्षमता से अधिक कैदी होने से संबंधित सवाल के जवाब में बेनीवाल ने कहा कि अधिक जेल बनाना कोई समाधान नहीं है। तिहाड़ में 10,000 की स्वीकृत क्षमता के मुकाबले 20,000 कैदी हैं। दिल्ली में तीन जेल परिसर- तिहाड़, रोहिणी और मंडोली हैं तथा इन सभी में केंद्रीय जेल हैं। उन्होंने कहा कि अन्य विकल्पों या दंडित करने के बेहतर तरीकों की तलाश की जा सकती है। बेनीवाल ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में एक युवक को जेबतराशी में 300 रुपये चुराने के आरोप में पकड़ा गया और उसे तिहाड़ लाया गया। उन्होंने कहा कि जमानत मिलने से पहले वह पांच महीने तक जेल में रहा। उन्होंने कहा, मैं प्रति कैदी प्रति दिन 800 रुपये खर्च कर रहा हूं, जिसकी कीमत हमें प्रति माह लगभग 24,000 रुपये पड़ती है। उस 300 रुपये की चोरी की सजा के लिए मैंने आपका पैसा (राजकोष) खर्च किया, जिसकी लागत पांच महीनों में लगभग 1,20,000 रुपये पड़ती है। क्या यह सही है? यही सवाल हमें पूछने की जरूरत है।

## न्यायालय ने ममता सरकार के सुझाए गए 6 उम्मीदवारों को कुलपति नियुक्त करने का निर्देश दिया

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने प. बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई उम्मीदवारों की सूची में से छह उपयुक्त व्यक्तियों को कुलपति नियुक्त करने का निर्देश दिया। बोस, राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं।

कुलाधिपति की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने शीर्ष अदालत को बताया कि उन्होंने ममता बनर्जी सरकार द्वारा भेजी सूची में से 6 नामों को मंजूरी दे दी है। बंगाल में राज्य सरकार द्वारा संचालित विवि में नियुक्तियों को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और राज्यपाल बोस के बीच खींचतान देखी गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और के.वी. विश्वनाथन पीठ ने कहा, ''इन 6 व्यक्तियों की नियुक्ति की जाए।'' इसने राज्य सरकार से कुलाधिपति के कार्यालय को उपयुक्त उम्मीदवारों की नई सूची भेजने के लिए कहा, जो उनमें से कुछ व कुलपतियों की नियुक्त का निर्णय ले सकते हैं। राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच जारी खींचतान के सौहार्दपूर्ण समाधान की उम्मीद करते पीठ ने कहा कि वह राज्य-संचालित शेष विवि में कुलपति के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम चयन करने के लिए बाद में खोज समिति गठित करने पर विचार कर सकती है।

# डिब्रूगढ़ में चाय बागान मजदूरों की दशा फिर बनी चुनाव मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**डिब्रूगढ़/भाषा।** असम के चाय बागान ने भले ही राज्य को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई हो, लेकिन इस उद्योग से जुड़े मजदूरों की समस्याओं और मुद्दों पर चुनाव के शोर में ही चर्चा की जाती है और राजनीतिक नेता उन्हें हल करने का वादा करते हैं। राज्य के डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र में चाय के सबसे ज्यादा बागान हैं जहां कुल 16.50 लाख मतदाताओं में से 30 प्रतिशत बागान के मजदूर हैं। कांग्रेस को इन मजदूरों का समर्थन मिलता था लेकिन 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिब्रूगढ़ सीट कांग्रेस से छीन ली और 2019 में हुए अगले लोकसभा चुनाव में भी इस क्षेत्र पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इस सीट में डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया दो जिले आते हैं, जहां कुल 301 बड़े और 51,063 छोटे चाय बागान हैं। इन बागानों में काम करने वाले श्रमिकों के प्रमुख मुद्दे मजदूरी, स्वास्थ्य, शिक्षा और भूमि दस्तावेज (पट्टा) हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार सर्बानंद सोनोवाल ने चाय बागानों में प्रचार अभियान किया है।

सोनोवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'मुख्यमंत्री के तौर पर हिमंत विश्व शर्मा और मेरे कार्यकाल के दौरान, हमने बागान श्रमिकों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। इन श्रमिकों की कांग्रेस ने अपने 60 वर्षों के कुशासन के दौरान उपेक्षा की थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इन श्रमिकों को सिर्फ वोट बैंक माना और उनकी समस्याओं का निदान नहीं किया। विपक्षी उम्मीदवार और असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि असम विश्व स्तर पर अपने चाय उद्योग के लिए जाना जाता है, लेकिन इसके श्रमिकों की स्थिति दयनीय है। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने चाय बागान श्रमिकों के लिए कई वादे किए थे, जिनमें 350 रुपये मजदूरी, उनके घरों की जमीन का पट्टा देना, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी सुविधाएं शामिल थीं, लेकिन वादे पूरे नहीं किए गए।' मैदान में तीसरे उम्मीदवार, आम आदमी पार्टी (आप) के मनोज धनोवर, चाय जनजाति समुदाय से आते हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां बागान श्रमिकों की स्थिति देश में सबसे खराब है और भाजपा सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली तथाकथित सुविधाएं सभी वर्गों तक नहीं पहुंची हैं।

# शीर्ष अदालत ने रामदेव, बालकृष्ण को एक सप्ताह के भीतर 'सार्वजनिक माफी मांगने' की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी बालकृष्ण को एलोपैथी को नीचा दिखाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ मंगलवार को चेतावनी दी और उन्हें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन मामले में अवमानना कार्यवाही में एक सप्ताह के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने और पश्चाताप दिखाने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रही है।

शीर्ष अदालत 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कोविड टीकाकरण और चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और दोनों की ओर से पेश हुए वकील ने बिना शर्त माफ़ी मांगी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ से कहा कि वे पछतावा दिखाने के लिए सार्वजनिक माफी मांगने को तैयार हैं। पीठ ने दोनों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, विज्ञापन के माध्यम से आपको जो करना है, करें, हम इस पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। लेकिन इस समय, हम यह नहीं कह रहे हैं कि उन्हें इससे राहत मिल गई है। रोहतगी की इस दलील पर गौर करते हुए कि प्रायश्चित्त करने के लिए, रामदेव और बालकृष्ण ने एकतरफा कुछ कदम उठाने का प्रस्ताव रखा है, पीठ ने उन्हें एक सप्ताह का समय दिया और मामले की सुनवाई 23 अप्रैल को करना तय किया। सुनवाई के दौरान, पीठ ने रामदेव और बालकृष्ण से बातचीत की और उनसे पूछा कि उन्होंने अदालत को दिए गए आश्वासन और उसके द्वारा पारित आदेशों का उल्लंघन क्यों किया। न्यायमूर्ति कोहली ने रामदेव से कहा, हम समझना चाहते हैं। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण दोनों यहां हैं। आपकी बहुत प्रतिष्ठा

है... लोग आपको देखते हैं, आपके कार्यों की सराहना करते हैं। आपने योग के लिए बहुत सारे काम किए हैं। रामदेव ने हाथ जोड़कर कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि मैंने जो भी गलती की है उसके लिए मैंने बिना शर्त माफी मांग ली है।'' न्यायमूर्ति कोहली ने रामदेव से उस संवाददाता सम्मेलन के बारे में पूछा, जिसे उन्होंने पिछले साल 21 नवंबर के उच्चतम न्यायालय के उस आदेश के बाद संबोधित किया था, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद की ओर से पेश वकील द्वारा दिए गए हलफनामे का संज्ञान लिया गया था। उस आदेश में, शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से खासकर पतंजलि आयुर्वेद द्वारा निर्मित और विपणन किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा। यह भी कहा गया था कि प्रभावशीलता के संबंध में या चिकित्सा की किसी भी पद्धति के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस तरह के आश्वासन का पालन करने के लिए बाध्य है।''

मंगलवार की सुनवाई के दौरान रामदेव ने पीठ से कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत के प्रति अनादर दिखाने का कोई इरादा नहीं था। योग गुरु ने कहा कि उस वक्त उन्होंने जो किया, उन्हें वह नहीं करना चाहिए था और वह भविष्य में भी इस बात को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह काम के प्रति उनके उत्साह के चलते हुआ। बालकृष्ण ने भी गलती के लिए माफी मांगी। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा, ''आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते। आप अपना काम करिये। आप अच्छा काम कर रहे हैं।''

पीठ ने कहा कि उसने पतंजलि के वकील के हलफनामा देने के बाद पिछले साल नवंबर में आदेश पारित किया था। पीठ ने कहा, ''आपने यह सब तब किया जब अदालत का आदेश था। आप इतने मासूम नहीं थे कि आपको पता न चले कि अदालत में क्या हुआ है।'' पीठ ने कहा, ''इतनी मासूमियत अदालत में काम नहीं आती।'' इसमें कहा गया, ''अगर आप सोच रहे हैं कि आपके वकील ने माफी मांग ली है, तो हमने अभी तक यह तय नहीं किया है कि आपकी माफी स्वीकार की जाए या नहीं।'' पीठ ने तब नाराजगी जताई जब पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बालकृष्ण ने कहा कि रामदेव का कंपनी के रोजमर्रा के मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने बालकृष्ण से कहा, आप फिर से अपने रुख पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि माफी दिल से आयी प्रतीत नहीं हो रही है। रामदेव और बालकृष्ण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मामले की सुनवाई की शुरुआत में पीठ से कहा, मैं सार्वजनिक माफी मांगना चाहता हूं।

## सुब्बाराव का संस्मरण राष्ट्रीय हितों से धोखाधड़ी की कांग्रेस की प्रवृत्ति को दर्शाता है : स्मृति

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव के इस दावे को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला कि प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के अधीन वित्त मंत्रालय आरबीआई पर दबाव डालता था। ईरानी ने कहा कि यह राष्ट्रीय हितों के साथ कांग्रेस की धोखाधड़ी की प्रवृत्ति को रेखांकित करता है।

अपनी हालिया किताब जस्ट ए मर्सिनरी?: नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर' में सुब्बाराव ने कहा कि प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के वित्त मंत्री रहने के दौरान वित्त मंत्रालय आरबीआई पर ब्याज दरें नरम रखने और आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के लिए दबाव डालता था। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने अपने संस्मरण में यह भी लिखा कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्ववर्ती सरकार में समझ और संवेदनशीलता कम थी।

सुब्बाराव के उनके संस्मरण में किए गए दावे पर प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट को साझा करते हुए एक्स' पर एक पोस्ट में ईरानी ने कहा, जब कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों को धोखा देने के लिए रिजर्व बैंक को सरकार का 'चीयरलीडर' बनाना चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया, आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव के संस्मरण के खुलासे कांग्रेस द्वारा किए गए संस्थागत दुरुपयोग का एक ज्वलंत उदाहरण प्रदान करते हैं। कदाचार ने न केवल हमारी संस्थाओं को खतरे में डाला, बल्कि राष्ट्रीय हित के बजाय कांग्रेस की धोखाधड़ी की प्रवृत्ति को भी उजागर किया।

## सुविचार

**जिंदगी मुश्किलों से भरी हुई है, क्योंकि जिंदगी को भी पता है, कि दुनिया आसानी से मिली हुई चीजों की कदर नहीं करते।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# व्यावहारिक हों वादे

चुनावी मौसम में राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे वादे व्यावहारिक होने चाहिएं। वे न तो अतिशयोक्तिपूर्ण हों और न ही अति-आदर्शवादी हों। एक राजनेता एक झटके में देश की गरीबी दूर करने की बात कह रहे हैं, तो एक राजनीतिक दल ने अपने चुनाव घोषणा-पत्र में यह वादा कर दिया कि अगर उसे सत्ता मिली तो वह परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में कदम बढ़ाएगा! क्या एक झटके में किसी देश की गरीबी दूर की जा सकती है? क्या हम परमाणु हथियारों को त्यागकर अधिक सुरक्षित हो सकते हैं? जनता को इन दोनों ही प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अगर चुटकियों में गरीबी दूर करना संभव होता तो ऐसा तभी हो जाता, जब भारत आजाद हुआ था। हर सरकार के पास बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों की टीम होती है। उन लोगों ने आज तक ऐसा 'अद्भुत' सुझाव क्यों नहीं दिया? अगर पलक झपकते ही गरीबी को गायब करना संभव होता तो पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जरूर ऐसा कर देते, जो स्वयं अर्थशास्त्र के बड़े विद्वान हैं। प्राय: गरीबी दूर करने के लिए एक 'तर्क' दिया जाता है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा पैसा दे दिया जाए। इससे उनकी गरीबी दूर हो जाएगी! ऐसी बातें पूरी तरह सही नहीं हैं। निस्संदेह जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए, लेकिन वह किसी उत्पादक कार्य में लगनी चाहिए या ऐसे कार्य में लगनी चाहिए, जिससे भविष्य में उत्पादक कार्य किए जाने की अच्छी संभावना हो। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति की केक बनाने में रुचि है, लेकिन उसके पास न तो उचित प्रशिक्षण है और न ही पर्याप्त संसाधन हैं। अगर ऐसी स्थिति में उसे प्रशिक्षण दिलवाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वह जरूरी सामान खरीद सके, तो इससे उसे रोजगार मिलेगा। फिर वह धीरे-धीरे गरीबी से निकल आएगा। इसके विपरीत, अगर उसे सिर्फ पैसा दे दिया जाए और कोई प्रशिक्षण, कोई प्रोत्साहन न दिया जाए, तो इस बात की बहुत ज्यादा आशंका है कि कुछ दिनों बाद वह फिर गरीब हो जाए!

कुछ कल्पनाएं अत्यंत मधुर लगती हैं। जैसे- 'दुनिया में हर कोई बहुत प्रेम से रहने लगे, सभी देशों के बीच मधुर संबंध हो जाएं, कोई सरहद न हो, कोई सेना न हो, किसी के भी हृदय में छल, कपट, लोभ जैसी बुराइयां न हों ...।' क्या ही अच्छा हो, अगर सच में ऐसा हो जाए! तब तो धरती पर सतयुग आ जाएगा, किसी को किसी से खतरा नहीं रहेगा! लेकिन आज स्थिति ऐसी नहीं है। अगर कोई देश अपनी सीमाएं खोल दे, सेना हटा दे, हथियारों को नष्ट कर दे और सब लोगों को मनमानी करने की छूट दे दे तो वहां भारी अनर्थ हो जाएगा। भयंकर अराजकता फैल जाएगी। आदर्श और यथार्थ को साथ लेकर चलना होता है। आदर्श का पालन जरूर करें, लेकिन विवेकशील भी बनें। कुछ 'अतिक्रांतिकारी' लोग भारत के सन्दर्भ में परमाणु निरस्त्रीकरण की बातें करते हैं। उसके क्या परिणाम हो सकते हैं, इस पर वे प्रकाश डालने का कष्ट नहीं करते। भारत के दो पड़ोसी (पाकिस्तान और चीन) परमाणु हथियारों से लैस हैं। दोनों का ही रवैया हमारे प्रति घोर शत्रुतापूर्ण है। दोनों ही हमारे अस्तित्व से घृणा करते हैं। क्या इस स्थिति में हमें परमाणु निरस्त्रीकरण की ओर कदम बढ़ाना चाहिए? भारत ने सदियों तक विदेशी आक्रांताओं के हमले झेले हैं, जिनमें असंख्य लोगों को प्राण गंवाने पड़े थे। आज आतंकवाद एक गंभीर खतरा बना हुआ है, जिसके नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए भारतीय एजेंसियां दिन-रात मेहनत कर रही हैं। उक्त दोनों पड़ोसी हमारी जमीन पर कुदृष्टि रखते हैं। दोनों से हमारे युद्ध हो चुके हैं। झड़पें तो होती रहती हैं। इन सब बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए हमें और ज्यादा शक्तिशाली बनना चाहिए या शक्तिहीनता की ओर बढ़ना चाहिए? भारत के सन्दर्भ में परमाणु निरस्त्रीकरण के वादे क्षणिक 'वाहवाही' तो दिला सकते हैं, लेकिन ये किसी भी तरह से व्यावहारिक नहीं हैं।

## ट्वीटर टॉक

भारत में पिछले 10 साल से हर क्षेत्र में दुनिया भर से निवेश आ रहे हैं। मैं चाहता हूं कि हिंदुस्तान में निवेश आना चाहिए। पैसा किसी का भी लगा हो, पसीना मेरे देश का लगना चाहिए, उसके अंदर सुगंध मेरे देश की मिट्टी की आनी चाहिए।

**-नरेन्द्र मोदी**

आज जम्मू की पावन भूमि में मोदी जी को आशीर्वाद देने उमड़ा यह जनसागर बता रहा है कि धारा 370 की जंजीरों से मुक्त होकर नया जम्मू-कश्मीर, मोदी सरकार के अगले टर्म में नई ऊँचाइयाँ छूने को तैयार है।

**-अमित शाह**

मेरे प्रिय साथियो, पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने भविष्य का ध्यान रखते हुए विकसित भारत की बुनियाद रखी है, जिसमें आपकी भूमिका बहुत अहम है। मैं आपसे अपील करता हूं कि आने वाले चुनाव में कमल के फूल पर वोट कर उन्हें ओर मजबूत बनाएं।

**-सीपी जोशी**

## प्रेरक प्रसंग

# मन का सुख

दिग्विजय सिंह नामक एक राजा अपनी प्रजा का बहुत ध्यान रखता था। वह चाहता था कि उसके शासन में सभी सुखी हों। एक दिन उसने अपने मंत्रियों से कहा कि आप लोग किसी ऐसे व्यक्ति को खोज कर लाएं जो पूर्ण रूप से सुखी हो। राजा का आदेश सुनकर सभी ऐसे व्यक्ति की तलाश में निकल पड़े। मंत्री निराश होकर वापस राज्य की ओर लौटने लगे। मार्ग में उन्हें एक साधु प्रसन्न मुद्रा में भजन-कीर्तन करते हुए नजर आया। वे साधु के पास गए और उनसे अपनी समस्या बताई। सारी बात जानकर साधु बोले, 'मैं सचमुच सुखी व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे अंदर असंतोष की भावना नहीं है।' मंत्री साधु को अपने साथ ले गए। साधु राजा से बोले, 'राजन, सुखी तो सभी होना चाहते हैं किंतु सुखी कैसे रहा जाता है, यह कोई नहीं जानता इसलिए सबके पास अपने-अपने दुखों की लम्बी कतार है। वास्तव में मानव जीवन तो संघर्ष और समस्याओं का ही नाम है किंतु यदि मानव इन संघर्ष व समस्याओं का निडरता व प्रसन्नता से सामना करे और लोभ, मोह, ईर्ष्या, क्रोध, असंतोष आदि पर विजय प्राप्त कर ले तो फिर उसे सुखी होने से कोई नहीं रोक सकता।

## सामयिक

# सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

**विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है।**

समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में जनवरी महीने में हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस बार पहली बार रामनवमी बेहद खास होगी। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आएगी और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ेगी। रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए इस बार लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है और इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा खास प्रबंध किए गए हैं।

विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14 हजार राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था।

श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। एक ओर जहां रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक थे। सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

## नजरिया

# इस रामनवमी की सदियों से थी प्रतीक्षा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 94510 05200

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 9 अप्रैल को पहली बार रामनवमी का आयोजन हो रहा है। इस रामनवमी को पांच सौ वर्षों बाद श्रीराम लला अपने घर में जन्मदिन मनाएंगे। भव्य राम मंदिर में रामनवमी का ये स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से हासिल हुआ है, जिसका पांच सदियों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरंजित इतिहास शामिल है। लेकिन सबसे ज़्यादा पीड़ादायक पिछले 75 वर्ष रहे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की राजनीति को सिर माथे से लगाया और हिन्दू आस्थाओं और भावनाओं को कुचलने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह की सरकार तक ने राम मंदिर की राह में रोड़े अटकाने का काम किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

सोमनाथ मंदिर को अंतिम बार औरंगजेब ने यह कहकर तोड़वाया था कि, इस बार इसे पूरी तरह नेस्तानाबूद कर दो कि मंदिर का कहीं कोई निशान तक दिखाई न दे।' सोमनाथ पर मस्जिद और कब्रिस्तान को सरदार पटेल ने इतिहास की विकृति का चिह्न और राष्ट्रीय अपमान बताकर कहा था कि, राष्ट्र के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण आवश्यक है।'' गांधी जी भी इससे सहमत थे। हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है।

हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर पहुंचा था। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कांग्रेस के बनाए कानूनों के चलते ही वर्तमान में ज्ञानवापी, भोजशाला और मथुरा आदि हिंदू आस्था के स्थलों को वापस पाने लिए हिंदू समाज कानूनी लड़ाई लड़ रहा है।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करते हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अनर्गल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है। 18वीं लोकसभा के गठन के लिए आम चुनाव हो रहे हैं। इंडी गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव नवरात्रि के प्रथम मछली खाने का वीडियो बड़ी बेशर्मी से पोस्ट करते हैं। इससे पहले बीते साल सावन के महीने में राजद नेता लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मटन बनाने को वीडियो शेयर किया था। इन वीडियो पर राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल भले ही कोई तर्क दें, वास्तव में उनका मकसद हिंदू समाज को अपमानित करने का है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस, राजद, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल किस स्तर तक नीचे गिरेंगे, इसका आप अंदाजा नहीं लगा सकते।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्ष के तमाम दल और नेता शामिल नहीं हुए। कांग्रेस राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रही। लेकिन जमीन सच्चाई यह है कि कांग्रेस समेत विपक्ष ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण कांग्रेस के एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

राममंदिर किसी की आस्था पर आक्रमण नहीं, भारत की अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का उत्तर है। राम मंदिर के निर्माण से संपूर्ण विश्व में रचता बसता हिंदू समाज आह्लादित है। न्यायालय के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज ने दिल खोलकर सहयोग किया। यह ऐतिहासिक सहयोग इस बात का साक्षात प्रतीक है कि हिंदू समाज इस घड़ी के लिए चिर प्रतीक्षित था। आज अयोध्या में जो भव्य राम मंदिर संसार की शोभा बढ़ा रहा है, वो संसार भर के हिंदुओं की आस्था, एकता, अखण्डता, श्रद्धा, मान्यता और संकल्प का सर्वोच्च पवित्र प्रतीक है। इस रामनवमी को हिंदू समाज अपने आराध्य भगवान श्रीराम के पूजन वंदन के समय अपने पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को भी अवश्य स्मरण करना चाहिए। इसी दिन के लिए तो निहत्थे राम भक्तों ने अपने सीने पर गोलियां खाई थी। जिस सरयू में आज हम और आप स्नान ध्यान और आचमन कर रहे हैं, उसका जल किसी समय राम भक्तों के रक्त से लाल हुआ था। इसी दिन के लिए तो हमारे पूर्वजों ने धैर्य पूर्वक हिंदू विरोधी सरकारों से राजनीतिक लड़ाई लड़ी। न्यायालय में अपना पक्ष तथ्यों और साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया। किसी भी स्तर पर उतावलापन, उत्तेजना और अधीरता का प्रदर्शन नहीं किया। इस घमंड या अहंकार में भी नहीं आए कि हम बहुसंख्यक हैं। वास्तव में, राम मंदिर के लिए संघर्ष संपूर्ण हिंदू समाज की सहनशीलता, धैर्य और कानून के प्रति आदर के उच्च भाव को दर्शाता है। वो अपने संकल्पों पर अडिग रहता है। बड़ी से बड़ी बाधा को वो कानून और नैतिकता के सीमा में रहकर ही पार करता है।

इस रामनवमी को एक दीपक उन सभी नाम अनाम शहीद कार सेवकों और राम भक्तों के नाम का भी अवश्य प्रज्वलित करना चाहिए जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। उन्हीं महान बलिदानियों के त्याग के कारण आज बालक राम भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हो पाए हैं। रामनवमी के शुभ अवसर पर भगवान सूर्य अपने प्रकाश से बालक राम का तिलक करके अखिल विश्व को यह संदेश देंगे कि लाखों षडयंत्रों, अन्याय और अत्याचारों के बावजूद सनातन धर्म का मस्तक झुकाया नहीं जा सकता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# प्रधानमंत्री केवल अमीरों की मदद कर रहे हैं : राहुलगांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/वायनाड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनावी बॉण्ड को एक प्रकार की जबरन वसूली' बताते हुए इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और उन पर देश के कुछ कारोबारियों के खिलाफ डराने-धमकाने के तरीके अपनाने का आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया, हर छोटे शहर या गांव में कुछ लोग होते हैं जो शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर सड़कों पर पैसे वसूलते हैं। मलयालम में आप इस जबरन वसूली को 'कोल्ला आदिक्कल' कहते हैं, लेकिन मोदी इसे चुनावी बॉण्ड कहते हैं। जैसा आम चोर सड़कों पर करते हैं, वैसा प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर रहे हैं।

वायनाड लोकसभा सीट पर अपने प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार चुनिंदा कारोबारियों को निशाना बनाने के लिए अलग तरीके अपना रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश के कुछ उद्योगपतियों की मदद करने का भी आरोप लगाया।

वायनाड से मौजूदा सांसद गांधी ने कहा, चुनावी बॉण्ड के स्तर पर, ये धमकियां बड़ी नफासत से दी जाती हैं। ईडी, सीबीआई और आयकर के लोग आएंगे, पूछताछ करेंगे और अंत में वे कहेंगे कि आप इसे (उनका व्यवसाय) अडाणी को क्यों नहीं दे देते? उन्होंने आरोप लगाया कि इसी तरह अडाणी को मुंबई का हवाई अड्डा इसके पिछले मालिक से मिल गया।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि अन्य मामलों में इस तरह के डराने-धमकाने' के तरीकों के कारण उद्योगपतियों ने चुनावी बॉण्ड के जरिये भाजपा को पैसा दिया। उन्होंने चुनावी बॉण्ड के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के हाल के एक साक्षात्कार का उल्लेख किया। गांधी ने कोझिकोड जिले के कोडियाथुर में अपने रोडशो में शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और भारी भीड़ को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, अपने साक्षात्कार में, वह धरती पर सबसे बड़े भ्रष्टाचार के घोटाले - चुनावी बॉण्ड योजना का बचाव करने की कोशिश कर रहे थे, जिसके माध्यम से भाजपा को भारत के व्यापारियों से जबरन वसूली करके हजारों करोड़ रुपये मिले। इसके बाद एक अन्य रोडशो में गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश चलाने की समझ नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कोविड-19 महामारी के दौरान ताली-थाली बजाने और मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू करने की अपील से संबंधित मोदी के बयानों पर भी कटाक्ष किया। इससे पहले कोडियाथुर में गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी का काम असल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना, सबसे अमीर उद्योगपतियों की रक्षा करना और उनके बैंक कर्जों को माफ करना है।

## मुख्यमंत्री शिंदे सलमान के आवास गए, सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी के सिलसिले में दो लोगों की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को बॉलीवुड अभिनेता के आवास पर गए और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि गोलीबारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मुंबई पुलिस आयुक्त को खान और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान को आश्वासन दिया है कि सरकार उनके पीछे खड़ी है और उनकी सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मुंबई में कोई भी ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। यहां बांद्रा इलाके में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में खान के आवास के बाहर रविवार सुबह गोलीबारी की घटना के बाद से आरोपी विकी गुप्ता (24) और सागर पाल (21) फरार थे। दोनों बिहार के रहने वाले हैं। शिंदे ने कहा, पुलिस जांच कर रही है और सच्चाई सामने आ जाएगी। पुलिस पता लगाएगी कि घटना के पीछे कौन है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिंदे के साथ पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी, उनके बेटे एवं कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी और शिवसेना नेता राहुल कनाल भी खान के आवास पर आए।

### नामांकन

मैनपुरी में लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में अपने पति और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और अन्य सपा नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया।

# वृन्दावन में 70 मंजिला गगनचुंबी मंदिर से भारतीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : इस्कॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। इस्कॉन के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में भगवान श्री कृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कॉन बेंगलूरु के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने पीटीआई-भाषा को दिये गये एक साक्षात्कार में कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह सकते। वृन्दावन हेरिटेज टॉवर 70 मंजिल ऊंचा और 210 मीटर होगा, जो आठ करोड़ अमरीकी डालर की लागत से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''इस बारे में मैं आपको एक और उदाहरण देता हूं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने एक बयान में कहा है कि विदेशों में रह रहे भारतीय प्रवासियों से एक आह्वान कर रहे हैं। कृपया अमेरिका से पांच अमेरिकियों को भारत लाएं और उन्हें भारत दिखाएं। जब आप उन्हें भारत लाएंगे तो निश्चित रूप से जो कोई भी दुनिया के किसी भी हिस्से से भारत आता है तो वह आध्यात्मिकता की तलाश में होता है। दास ने निर्माणाधीन वृन्दावन हेरिटेज टॉवर के बारे में कहा, ''जब वे भारत आयेंगे तो निःसंदेह वे अच्छे हवाई अड्डे देख सकते हैं। वो सभी चीजें प्रभावशाली और दिलचस्प भी हैं और होनी भी चाहिए। वे आध्यात्मिकता की भी तलाश में होंगे। अब ऐसे में हमार पास विदेशियों को भारत लाने और उन्हें दिखाने के लिए आध्यात्मिक बुनियादी ढांचा, धार्मिक बुनियादी ढांचा होना चाहिए, जिन पर आप गर्व कर सकें। जब आप उन्हें वृन्दावन लाएंगे, तो आपको कृष्ण के संदेश पर निर्मित इस प्रकार का विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा निर्मित होना चाहिए और इसलिए यह एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य है।'' दास ने कहा कि वृन्दावन हेरिटेज टॉवर एक अष्टकोणीय संरचना है जिसमें उत्तर इकाई, दक्षिण इकाई, पूर्व इकाई और पश्चिम इकाई है। उन्होंने कहा कि ये चार मंदिर हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में आवास सुविधाएं होंगी, जो पर्यटकों के अनुभव को अच्छा बनाएंगी।

# 'हीरामंडी' के लिए ऋचा चड्ढा ने मीना कुमारी की 'पाकीजा' से ली प्रेरणा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसकी तैयारी के लिए उन्होंने फेमस एक्ट्रेस मीना कुमारी से प्रेरणा ली। सीरीज में ऋचा वेश्या लज्जो की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सदाबहार क्लासिक 'पाकीजा' में मीना कुमारी के शाहीबजान के किरदार से उन्होंने प्रेरणा ली। उन्होंने मीना कुमारी के चरित्र को साहिबजान और लज्जो के बीच समानताएं दर्शाते हुए अध्ययन किया। किरदार के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए ऋचा ने कहा, ''सीरीज 'हीरामंडी' की शूटिंग से पहले 'पाकीजा' में मीना कुमारी जी के किरदार को ध्यान से देखना और उससे सबक लेना मेरे लिए वास्तव में समृद्ध और गहराई से बदलने वाला अनुभव था। 'पाकीजा' में मीना कुमारी के किरदार में एक दुखद गहराई और जटिलता है जो शो में मेरे द्वारा निभाए गए किरदार लज्जो से मेल खाती है। मैंने मीना जी के काम का अध्ययन करते हुए कभी-कभी नकल करने की हद तक आवाज और उच्चारण पर काम किया।''

उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक सिनेमाई दिग्गज के नक्शेकदम पर चल रही हूं और लज्जो के किरदार के जरिए मीना कुमारी जी को श्रद्धांजलि देना सम्मान की बात थी। 'हीरामंडी - द डायमंड बाजार' लेखक संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज है, जो वेश्याओं की दुनिया पर प्रकाश डालती है। यह सीरीज एक मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

## कपिल शर्मा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में आशीर्वाद लिया

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन सुपरस्टार कपिल शर्मा ने शुभ नवरात्रि के दौरान आशीर्वाद लेने के लिए सोमवार को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे। कॉमेडियन-अभिनेता-गायक को लाल और क्रीम रंग का प्रिंटेड कुर्ता पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने मंदिर में अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अभिनेता-कॉमेडियन को इन दिनों स्ट्रीमिंग शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में देखा जा सकता है, जिसमें कृष्णा अभिषेक, राजीव ठाकुर, कीकू शारदा और अर्चना पूरन सिंह भी हैं। इस शो ने हवाई जहाज पर झगड़े के सात साल बाद कपिल और सुनील ग्रोवर को फिर से एकजुट किया है। शो लॉन्च से पहले सुनील ने अपने शो के सेट पर मीडिया से बात की। उन्होंने उनके और कपिल के बीच की लड़ाई का मजाक उड़ाया, जिसने सात साल पहले मनोरंजन उद्योग में तूफान ला दिया था।सुनील ने मजाक में मीडिया को बताया कि उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म देश में अपनी पैठ बना रहे थे, इसलिए उन्होंने और कपिल ने सोचा कि टेलीविजन सामग्री को ओटीटी बैंडवागन पर बढ़त दिलाने या बेहतर बनाने के लिए वे क्या कर सकते हैं।

### नृत्य

जोरहाट में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को असम के जोरहाट जिले में लोकसभा चुनाव से पहले एक चुनाव प्रचार रैली में कलाकारों के साथ नृत्य किया।

## मलाइका अरोड़ा ने 'एम्प्रेस' के रूप में ईशा अग्रवाल को दिया नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का क्राउन

मुंबई/एजेन्सी

एडवोकेट ईशा अग्रवाल ने एम्प्रेस श्रेणी में प्रतिष्ठित नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का खिताब जीता। यह ट्रॉफी एक कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उनको प्रदान की। नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट का समापन कार्यक्रम कॉर्डेला क्रूज पर हुआ। इसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों से 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 'एम्प्रेस' श्रेणी में ईशा अग्रवाल विजेता बनीं। मुंबई में बसी छत्तीसगढ़ की रहने वाली सिंगल मदर ईशा की यात्रा संघर्ष से भरी हुई है। छत्तीसगढ़ में एलएलएम पूरा करने के बाद उन्हें इंस्टाग्राम पर नारी फर्स्ट का विज्ञापन मिला। उनकी बेटी ने उनको अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। पारिवारिक जिम्मेदारियों और काम के बीच संतुलन बनाते हुए ईशा डटी रहीं और साबित कर दिया कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती।

नारीफर्स्ट का ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट पारंपरिक मानदंडों को तोड़ते हुए और विविधता और सशक्तिकरण की शक्ति का जश्न मनाते हुए एक शानदार कॉर्डेला क्रूज पर संपन्न हुआ। संस्थापक एकता शर्मा और अंशु बुधराजा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी उम्र, ऊंचाई और वजन के प्रतिभागियों का स्वागत किया।

विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए 130 प्रतियोगियों को शामिल करने वाली इस अभूतपूर्व प्रतियोगिता ने परिवर्तनकारी प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसका समापन एक अविस्मरणीय अनुभव के रूप में हुआ। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संदीप सोपानकर ने शो के निर्देशक के रूप में काम किया। यह आयोजन पूरे भारत में महिलाओं के लिए एक प्रेरणा के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें अटूट दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करता है।

## सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

मुंबई/एजेन्सी

फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक आदर्श रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस में से एक विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है, विद्या ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अनोखा होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अनोखा मंत्र होता है। रिश्तों को लेकर विद्या की समझ विकसित हुई है। उन्होंने कहा, ''शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है। शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूं जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो।'' उन्होंने आगे कहा, इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी। हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की। विद्या ने कहा, ''एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, ''मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने वर्षों से समझा है। विद्या अब अपनी आगामी फिल्म 'दो और दो प्यार' की तैयारी कर रही हैं, जो 19 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति भी हैं।

## दिल छू गया राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म का गाना 'तू मिल गया'

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव की आने वाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' का पहला गाना 'तू मिल गया' सामने आया है। इस ट्रैक में प्यार के एहसास का अनुभव होता है।

गाने का म्यूजिक शानदार है। इसमें राजकुमार और अलाया एफ की प्यार भरी केमिस्ट्री देखी जा सकती है। इस ट्रैक को सिंगर जुबिन नौटियाल और तुलसी कुमार ने गाया है। इसे तनिष्क बागची ने कंपोज किया है। इस गाने में फिल्म के मुख्य किरदार राजकुमार राव और अलाया एफ के बीच प्यार पनपते हुए दिखाया गया है। तुषार हीरानंदानी ने निर्देशन में बनी यह फिल्म इंडस्ट्रियलिस्ट श्रीकांत बोल्ला की बायोपिक है। इस फिल्म में ज्योतिका और शरद केलकर भी हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म टी-सीरीज फिल्म्स और चॉक एन चीज फिल्म्स प्रोडक्शन एलएलपी के बैनर तले भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 10 मई को रिलीज होने वाली है।

## फिल्म 'रंग दे बसंती' 7 जून को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की बहुचर्चित भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' 07 जून को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता रौशन सिंह ने बताया कि सेंसर बोर्ड के प्रॉब्लम के बाद अब यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है।

फिल्म अपने ओरिजिनल नाम के साथ ही 07 जून को पैन इंडिया सिनेमाघरों में होगी।इस फिल्म को फिल्म पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है, फिल्म मल्टीप्लेक्स में भी दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि अभी देश भर के मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन में इस फिल्म का ट्रेलर चल रहे हैं, जो पहली बार हुआ है, जब बॉलीवुड फिल्मों के बीच में ट्रेलर चल रहा है।यह फिल्म 250 से ज्यादा स्क्रीन में पैन इंडिया रिलीज होने वाली है।

फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह और सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं।

इस फिल्म में खेसारीलाल यादव, रति पांडे और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है।

संगीतकार ओम झा है। गीतकार प्यारेलाल यादव ,अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं।डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 17-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरु साउथ की ओर से 'प्रारंभ एक नई अवधि' पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जेबीएन ट्रेंडसेटर में अपने कार्य योगदान से संस्था के उद्देश्य को गति व प्रगति दी की उन्हें सम्मानित किया गया।

# तेयुप दासरहल्ली में हुई वीतराग पथ कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में एवं अभातेयुप राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेयुप टी. दासरहल्ली द्वारा वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। तेयुप अध्यक्ष देवीलाल गांधी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने वीतराग पथ का मतलब समझाते हुए वीतराग पथ आगे बढ़ने का तरीका बताया। तेयुप उपाध्यक्ष अशोक बोहरा एवं मंत्री दिलीप पितलिया द्वारा मंत्री मुनि सुमेरमलजी एवं बालक मोहन (आचार्य श्री महाश्रमणजी) के जीवन चरित्र पर नाटिका की प्रस्तुति दी। साध्वीश्री उदितयशाजी ने आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के जीवन चरित्र के बारे में बताया।

अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत,मुख्य अतिथि एवं अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया,अभातेयुप संभाग प्रमुख अमित दक ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रायोजक परिवार पुष्पादेवी, प्रियंका, कमलेशकुमार भटेवरा परिवार का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय सामायिक प्रभारी राकेश दक, राजाजीनगर तेयुप पदाधिकारी व अन्य सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री दिलीप पितलिया ने दिया।

# सिद्ध पद को प्राप्त करना ही आज के हर भव्य जीव का लक्ष्य हो : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में नवपद की ओली के दौरान प्रवचन में साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि नौ पदों में किसी भी व्यक्ति विशेष की नहीं अपितु गुणों की वंदना की गई है । सिद्ध प्रभु का परिचय यही है किजिन आत्माओं ने खुद के ऊपर लगे हुए सभी कर्मों का क्षय कर दिया हो। जो संसार के बंधन से मुक्त हो गए हैं। जो कभी जन्म नही लेंगे। उन पवित्र आत्माओं को सिद्ध कहा जाता है। जिनके सभी काम सिद्ध हो गए है। सिद्ध यानी अपना खुद का स्वरुप प्राप्त करना। सिद्ध पद को प्राप्त करना ही आज के हर भव्य जीव का लक्ष्य है। अरिहंत प्रभु के कुछ कर्म क्षय होना बाकी होता है। आयुष्य का बंधन भी होता है। जबकि सिद्ध प्रभु की कोई बंधन नहीं होता है। सिद्ध प्रभु के साथ जो आत्मा अपना मन लगा लेती है उसका मोक्ष निश्चित हो जाता है। बिना लक्ष्य के कोई भी आराधना सिद्ध पद को प्राप्त नहीं करा सकती। बिना लक्ष्य की आराधना से पुण्य होगा, देवगति मिल सकती है, पर मोक्ष नहीं मिलता है। सिद्ध जीवों ने अपने आठ कर्मो का क्षय किया है। वो ही कार्य हमें भी करना है। सिद्ध प्रभु के 8 गुण होते हैं वो आठ गुण आठ कर्मो के क्षय से प्रकट होते है।

# विशेष उपलब्धियां प्रदान करने वाले को जीतो साउथ चैप्टर ने किया सम्मानित

## 'प्रारंभ एक नई अवधि ' पुरस्कार समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु साउथ की ओर से 'प्रारंभ एक नई अवधि' पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जेबीएन ट्रेंडसेटर में अपने कार्य योगदान से संस्था के उद्देश्य को गति व प्रगति दी की उन्हें सम्मानित किया गया। इस समारोह में गत छह महीने के दौरान जेबीएन ट्रेंडसेटर, ट्रेंडसेटर यूनिकॉर्न, ट्रेंडसेटर अचीवर्स की उपलब्धियों को सराहा गया। आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा व सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं और ट्रेनर्स ने व्यवसाय को दस गुना बढाने के संदर्भ में चर्चा की। जेबीएन के तीनों वर्गों में नए सदस्यों को औपचारिक रूप से जोडा गया । इसके अलावा 1500 से अधिक वन-टू-वन मीटिंग , दो हजार से ज्यादा रेफ़रल भी दर्ज़ हुए इस मौके पर ट्रेडजीनी के सीओओ त्रिवेश ने अपने अनुभव के आधार पर अनेक पहलुओं पर चर्चा कर मुख्य रूप से कारोबार वृद्धि में सरकारी योजनाओं और आधुनिक तकनीक का सुचारू लाभ उठाने की बात पर ज़ोर दिया गया। विशेष अतिथि के रूप में शार्क टैंक इंडिया में प्रतिभागी तथा जेबीएन ट्रेंडसेटर अचीवर मयंक नागौरी के साथ प्रश्नोत्तरी के माध्यम स उनके सफल सफर को जाना ।

जीतो साऊथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा ने संस्था के आर्थिक सशक्तिकरण के लक्ष्य पर ज़ोर दिया और कहा कि जेबीएन उस उद्देश्य की पूर्ति में भगीरथ प्रयास कर रहा है । संस्था के मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए । इस अवसर पर लेडीज विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने विमेन्स रेफ़रल चेप्टर के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने भी विचार प्रस्तुत किए। विविध वर्गों में दिए गए पुरस्कारों में विक्रम बागरेचा, विकास कटारिया व ऋषभ सिंघवी ( सर्वोच्च बिजनेस गिवर ), विकास भंसाली , शुभम रांका, ऋषभ सिंघवी (सर्वाधिक मेंबर इंडक्शन), विक्रम बागरेचा, अजित नाहटा, विक्रम भंसाली ( सर्वाधिक रेफ़रल दाता ), मोहित जैन, अजित नाहटा, यश भंडारी ( सर्वाधिक वन -टू- वन ) की श्रेणी में सम्मानित किया। कार्यक्रम में केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा, उप चेयमैन अशोक गजानन, उदय जैन, दिलीप कोठारी, संजय भंडारी, नरेश निबजिया, गणपतलाल बागरेचा, राजेश इसरानी, मनोज कोचर सहित अनेक पदाधिकारियों उपस्थित थे। विक्रम बागरेचा व राजेश भंसाली ने धन्यवाद दिया।

## महाप्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा किशनलाल कोठारी परिवार के सौजन्य से 72वीं महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर समिति के नवनियुक्त चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, आशीष बाफना, प्रकाश बाफना, ललित गुलेच्छा, किरण गुलेच्छा, चंद्रशेखर, मंजुनाथ राव एवं लाभार्थी परिवार आदि उपस्थित थे।

# बालाजी सालासर सेवा समिति का हनुमान जन्मोत्सव 23 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बालाजी सालासर सेवा समिति द्वारा 23 अप्रैल को चैत्र सुदी पूर्णिमा पर हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन बन्नरघट्टा रोड स्थित रांका कालोनी में बेंगलूरु दक्षिण में प्रस्तावित सालासर बालाजी मंदिर स्थल पर किया जा रहा है। शहर में आयोजित संस्था का यह प्रथम वार्षिकोत्सव बाबा बजरंगबली के जन्मोत्सव के रुप में मनाया जा रहा है। इस वर्षिकोत्सव में सूरत से आए भजन गायक किशन शर्मा व राजगढ़ चूरु से अखण्ड ज्योत साधक उपेन्द्र पांडिया भजनों की प्रस्तुति देंगे व संगीतमय

सुंदरकांड का वाचन आचार्यश्री मुरारी दाधीच करेंगे। शाम 4.30 बजे से संगीतमय सुंदरकाण्ड का पाठ किया जाएगा तत्पश्चात भजन संध्या होगी। इस अवसर पर बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया जाएगा। आयोजकों ने सभी हनुमान भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

## जागरुकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अशोक सोशियल वेलफेयर एसोसिएशन गांधीनगर द्वारा अन्नामा देवी पूजा महोत्सव में विशेष अतिथि के रुप में महेन्द्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि राष्ट्र का मतदाता राष्ट्र का भाग्य विधाता होता है इसलिए इस लोकसभा चुनाव में सभी को बढ़चढ़ कर मतदान करना ही चाहिए ।

# मायुम बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

## जाजू बने अध्यक्ष, लोहिया बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण महाराजा अग्रसेन भवन में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी शाखाओं के पदाधिकारी व अन्य सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने गौपूजा, दीप प्रज्ज्वलन, गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

बेंगलूरु शाखा के सचिव स्नेहकुमार जाजू ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष अंकित मोदी ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में सभी को जानकारी दी। इस कार्यक्रम में शामिल विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल ने नई कार्यकारिणी समिति में स्नेहकुमार जाजू को अध्यक्ष पद, शुभम लोहिया को सचिव, मनीष अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, सुशील सैनी, गोपालकुमार एवं जयप्रकाश अग्रवाल को उपाध्यक्ष, सोनू शर्मा एवं सन्नी जैन को सहसचिव, विनोद गर्ग एवं विवेक खंडेलवाल को सहकोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य व संयोजक पद की शपथ दिलवाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी को साथ ले कर चलने का प्रण लेते हुए समाज सेवा का एक नया आयाम स्थापित करने का भरोसा दिलाया ।

इस कार्यक्रम में समाजसेवा व मंच सेवा में विशेष सहयोग देने वालों को वार्षिक अवार्ड से सम्मानित किया। मायुम बेंगलूरु के 25वें शपथ ग्रहण समारोह में वर्ष 2000 से लेकर 2024 तक के सभी अध्यक्ष एवं सचिव को गौरव सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शाखा सदस्य मोहित शर्मा ने किया। कार्यक्रम के समापन पर हनुमान चालीसा का पाठ हुआ।नवनिर्वाचित शाखा सचिव शुभम लोहिया ने धन्यवाद दिया

# खराब मौसम के बावजूद प्राचीन खेलों के जन्मस्थली यूनान में पेरिस ओलंपिक की लौ जलाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्राचीन ओलंपिया (यूनान)/एपी। पेरिस ओलंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गयी। बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गये। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिये रहती थी। बल्कि मंगलवार को एक 'बैकअप' लौ का उपयोग किया गया था जिसे सोमवार को अंतिम रिहर्सल' के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था।

मशाल को मशालधारियों की एक रिले द्वारा प्राचीन ओलंपिया के खंडहर मंदिरों और खेल मैदानों से ले जाया जायेगा। यूनान में रिले की 11 दिवसीय यात्रा एथेंस में पेरिस 2024 के आयोजकों को सौंपने के साथ समाप्त होगी।

## आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष जैन महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में मंत्री मदन मुणोत, सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा,अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन कुशल डूंगरवाल, सहचेयरमैन सुनील लोढा, सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी व पूर्व अध्यक्ष सज्जनराम मेहता ने बेंगलूरु मध्य सांसद पी सी मोहन व बेंगलूरु के पूर्व मेयर गौतम मकाणा से मुलाकात कर 21 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव में विशेष अतिथि के रुप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सदस्यों ने दोनों राजनेताओं को महोत्सव की जानकारी दी। मोहन व गौतम ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया।

# लोग राजनीति में हुल्लड़बाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक के लोग राज्य की राजनीति में 'हुल्लड़बाजी' को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। बोम्मई ने पत्रकारों से बात करते हुए तुमकुरु में एक बैठक के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर पैदा की गई अराजकता की निंदा की, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने भाग लिया था। बोम्मई ने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अनुमति है। हालांकि, यह अत्यधिक निंदनीय है कि जद-एस-एनडीए के प्रचार अभियान की बैठक में पैदा की गई गड़बड़ी गौरवान्वित कन्नडिगा पूर्व प्रधानमंत्री के अपमान के समान है।

उन्होंने कहा कि अशांति फैलाना कन्नड़ लोगों की संस्कृति नहीं है। बोम्मई ने कहा कि देवेगौड़ा ने पार्टी की संबद्धता को किनारे रखकर कर्नाटक के लिए लड़ाई लड़ी है।

सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर देवेगौड़ा की मौजूदगी वाले एक कार्यक्रम के दौरान उनके बेटे एच.डी. कुमारस्वामी की टिप्पणी का विरोध करते हुए हंगामा किया। कुमारस्वामी ने कहा था कि गारंटी के कारण महिलाएं गलत रास्ता अपना रही हैं। बोम्मई ने कहा कि कुमारस्वामी पहले ही अपने बयान पर सफाई दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक मामलों के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने हाल ही में महिलाओं पर प्रतिकूल टिप्पणी की थी और कांग्रेस को इसके बारे में स्पष्टीकरण जारी करने दिया। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस सरकार में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं।

# जोमैटो ने बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बनाया अलग दस्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य उत्पादों के ऑनलाइन आपूर्ति मंच जोमैटो ने 50 लोगों तक की भागीदारी वाले कार्यक्रमों के लिए सामान पहुंचाने के इरादे से मंगलवार को देश में पहली बार बड़े ऑर्डर का एक अलग दस्ता शुरू करने की घोषणा की। जोमैटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने कई पोस्ट में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बड़े ऑर्डर की आपूर्ति के लिए बना यह खास दस्ता पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेगा। गोयल ने कहा, आज हम भारत का पहला बड़ा ऑर्डर दस्ता पेश करने के लिए रोमांचित हैं। यह दस्ता सामूहिक बड़े समूह, पार्टी एवं आयोजन जैसे आपके सभी बड़े ऑर्डर को आसानी से संभाल पाएगा। पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित यह दस्ता 50 लोगों तक के लिए ऑर्डर पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

हालांकि, गोयल ने कहा कि इस दस्ते के लिए निर्धारित इलेक्ट्रिक वाहनों पर अभी काम चल रहा है और जोमैटो इनमें कूलिंग उपकरण और तापमान नियंत्रण वाले बॉक्स जैसे हिस्सों को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

# अवनी बनी मायुम जागृति की नई अध्यक्ष, रितु बनी सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महाराजा अग्रसेन भवन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी समिति के शपथ ग्रहण समारोह में महिला विंग 'जागृति' का पुनर्गठन किया गया। वरिष्ठ सदस्य सुशीला गोयल ने मारवाड़ी युवा मंच की महिला शाखा जागृति का पुनर्गठन करते हुए अवनी सर्राफ को अध्यक्ष पद, नेहा टेकरीवाल को उपाध्यक्ष पद, रितु शर्मा को सचिव पद एवं अन्य 13 महिला सदस्यों को कार्यकारिणी समिति पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्य शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, सचिव शुभम लोहिया एवं कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल मौजूद रहे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com